दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-281 भोपाल, सोमवार 23 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

वाणी के बजाय कार्य से दिए गए उदहारण कहीं ज्यादा प्रभावी होते हैं। -अज्ञात

पंचांग

श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी, सोमवार विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:59/6:48
वर्षा/बादल %	24 %
नमी %	78 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	29°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,690

देश का सबसे पंसदीदा वन्यजीव और जंगल का अवॉर्ड मप्र के नाम

भोपाल। मध्यप्रदेश के जंगल और यहां के वन्यजीव देश में सर्वश्रेष्ठ हैं। यहां के वन्यजीव देश ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं। यही कारण है कि दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो एंड कॉन्क्लेव 2021 में स्क्क को सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं जनसंपर्क शिव शेखर शुक्ला ने पुरस्कार लिया। साथ ही बेस्ट वाइल्ड लाइफ एंड इको टूरिज्म काअवॉर्ड डिप्टी डायरेक्टर, एमपी टूरिज्म युवराज पडोले को, जबकि बेस्ट टूरिज्म मार्केटिंग कैंपेन का अवॉर्ड डिप्टी डायरेक्टर, एमपी टूरिज्म दीपिका रॉय चौधरी को मिला।

एमपी में वन्यजीव हॉट स्पॉट हैं:- मध्यप्रदेश में 77 हजार 700 वर्ग किलोमीटर के वन क्षेत्र हैं। इसमें 11 राष्ट्रीय उद्यानों और 24 वन्यजीव अभयारण्यों के साथ कई वन्यजीव हॉट स्पॉट हैं। 526 की अधिकतम बाघ संख्या वाले टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश को भी हाल ही में द लेपर्ड स्टेट और घड़ियाल स्टेट का दर्जा मिला है।

साइकिल सफारी भी की गई:- राज्य पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने ओरछा सांस्कृतिक उत्सव, मांडू उत्सव, जल महोत्सव, गो हेरिटेज रन, साइकिल सफारी और एलीफेंट सफारी जैसे विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसने बफर में सफर, इंतजार आपका, इंतजार खत्म हुआ, मानसून मैजिक, सब कुछ जो दिल चाहे, आदि जैसे सोशल मीडिया कैंपेन का भी आयोजन किया है।

पंजशीर पर बड़े अटैक की तैयारी में तालिबान, अंदराब में कई लोगों को मारा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

तालिबान पंजशीर में बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इससे सटे बगलान प्रांत के अंदराब जिले में बीती रात बड़ी तादाद में तालिबानी लड़ाकों ने हमला कर दिया। यहां कई लोगों के मारे जाने की खबर है। लड़ाई शुरू होने के बाद इस इलाके से भी पलायन शुरू हो गया है। सुरक्षित ठिकाने की तलाश में लोग अपना घर छोड़कर भाग रहे हैं। यहां तालिबान का मुकाबला कर रहे विद्रोही कुछ दिन पहले पीछे हट गए थे और पहाड़ों पर चले गए थे, लेकिन आज सुबह उन्होंने पहाड़ों से ही तालिबान पर हमले शुरू कर दिए हैं।

काबुल एयरपोर्ट पर भगदड़ से 7 अफगानियों की मौत:- अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत के

बगलान प्रांत के अंदराब जिले से लोगों ने पलायन शुरू कर दिया है। लोग सुरक्षित ठिकाने की तलाश में यहां से भाग रहे हैं।

बीच काबुल एयरपोर्ट पर मची भगदड़ में अफगानिस्तान के 7 लोगों की मौत हो गई है। ये जानकारी ब्रिटिश मिलिट्री ने दी है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि हालात बेहद चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन स्थिति को संभालने के साथ ही लोगों की सुरक्षा की पूरी कोशिश की जा रही है।

काबुल एयरपोर्ट पर भारी भीड़

अफगानिस्तान छोड़ने वाले लोगों की काबुल एयरपोर्ट पर भारी भीड़ है। दूसरी तरफ तालिबान अफगानियों को देश छोड़ने से रोक रहा है। एयरपोर्ट आने वाले रास्तों पर तालिबान का कड़ा पहरा है और तालिबानी हर आने-जाने वाले की जांच कर रहे हैं।

20 साल में जो बनाया सब खत्म हो गया, कहते हुए रो पड़े सांसद

भारतीय वायुसेना का विमान काबुल से 168 लोगों को लेकर भारत पहुंचा है। इसमें 107 भारतीय हैं, जबकि बाकी अफगानी सिख और अफगानी हिन्दू हैं। इनमें अफगानी सांसद नरेंदर सिंह खालसा, अनारकली होनरयार और इनके परिवार भी शामिल हैं। होनरयार और खालसा उन लोगों में शामिल थे जिन्हें तालिबान शनिवार को काबुल एयरपोर्ट से अपने साथ ले गया था। हिंडन एयरबेस पर उतरकर नरेंदर सिंह खालसा ने अफगानिस्तान का जिक्र किया तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। रुंधे हुए गले से उन्होंने कहा- मुझे रोना आ रहा है। हमने 20 साल में वहां जो भी बनाया, सब खत्म हो गया। इसी विमान से दिल्ली पहुंचे दीपेन शेरपा ने कहा कि वहां के हालात लोगों के लिए बहुत खतरनाक हो गए हैं। हर तरफ गोलीबारी और बम धमाके हो रहे हैं। तालिबान पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। वे लोगों को मार रहे हैं। हम वहां डर में जी रहे थे।

अफगानी महिला ने बताया- तालिबान ने घर जला दिया:- एक अफगानी महिला ने बताया कि अफगानिस्तान में हालात बिगड़ते जा रहे थे, इसलिए मैं अपनी बेटी और दो पोतों के साथ भारत आई हूं। हमारे भारतीय भाई-बहन हमें बचाने के लिए आगे आए। तालिबान ने मेरा घर जला दिया था। हमारी मदद करने के लिए मैं भारत का शुक्रिया करती हूं।

कोरोना के ज्यादा केस के बावजूद केरल में पाबंदियां घटीं; एक्सपर्ट बोले-

नियम मानने के लिए लोगों के सिर पर बंदूक नहीं तान सकते

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बढ़ते हुए कोरोना केसेस के बावजूद केरल में अब पाबंदियों में रियायत दी जा रही है। इसको लेकर सरकार का कहना है कि केवल सख्ती करके लोगों से नियम नहीं मनवाए जा सकते। उन्हें खुद ही कोरोना से बचाव के उपाय स्थायी तौर पर अपनाने होंगे। राज्य के हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. फेट्टल कहते हैं, गाइडलाइन फॉलो कराने के लिए आप किसी के सिर पर बंदूक नहीं तान सकते। संक्रमण से बचने के लिए लोगों को खुद ही अपना व्यवहार बदलना होगा। इधर, केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने भी कहा, लोगों की जिंदगी और रोजगार दोनों जरूरी हैं, लेकिन खुद को बीमारी से बचाने के इंतजाम भी उतने ही जरूरी हैं।

देश में कोरोना के 3.53 लाख एक्टिव केस

देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर कमी देखने को मिल रही है. भारत में नए कोविड मामलों की तुलना में कोरोना मरीजों के ठीक होने की दर यानी रिकवरी रेट में इजाफा हो रहा है. देश में फिलहाल कोरोना के 3.53 लाख एक्टिव केस हैं. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत में बीते 24 घंटे में COVID-19 के 30,948 नए मामले सामने आए हैं. जबकि इस दौरान 38,487 कोरोना मरीज डिस्चार्ज/ठीक हुए हैं।

Zydus Cadila की Vaccine को भारत में आपात इस्तेमाल की मंजूरी

जायडस कैडिला की कोरोना वैक्सीन को भारत में आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है. वैक्सीन को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया की ओर से मंजूरी दी गई है. 12 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को ये वैक्सीन लगाई जा सकती है. जायडस कैडिला की कोरोना वैक्सीन का नाम ZyCoV-D है. खास बात ये है कि ये डीएनए पर आधारित दुनिया की पहली स्वदेशी वैक्सीन है. इस वैक्सीन को लगवाने में न सुई का इस्तेमाल होगा और न ही दर्द होगा. बता दें कि ये वैक्सीन Zydus Cadila ने विकसित की है. अहमदाबाद की लैब में Zycov-D वैक्सीन बन रही है।

बंटवारे पर शिवसेना का नया एंगल:संजय राउत बोले-

अगर गोडसे ने गांधी की जगह जिन्ना को मारा होता तो देश का बंटवारा नहीं होता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

महाराष्ट्र के शिवसेना सांसद संजय राउत ने अफगानिस्तान में बने हालात की तुलना भारत के बंटवारे के समय से की है। उन्होंने इसमें एक नया एंगल भी जोड़ा है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में अपने साप्ताहिक कॉलम रोखठोक में संजय राउत ने लिखा कि अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति भारत के बंटवारे के समय जैसी है। वहां के हालात याद दिला रहे हैं कि किसी देश का अस्तित्व और संप्रभुता खत्म होने का दर्द कैसा होता है। संजय राउत के मुताबिक, अगर नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की जगह मोहम्मद अली जिन्ना को मारा होता तो देश का बंटवारा रोका जा सकता था। अगर ऐसा होता तो 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की जरूरत भी नहीं पड़ती। दरअसल, स्वतंत्रता दिवस से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का ऐलान किया था।

अखण्ड भारत बनना मुमकिन नहीं लगता:- संजय राउत ने लिखा कि जब तक बंटवारे से अलग हुआ हिस्सा वापस देश में शामिल नहीं हो जाता, तब तक बंटवारे का दर्द कैसे कम हो सकता है। मन को शांति कैसे मिल सकती है। हमें लगता है अखंड भारत बनना चाहिए, लेकिन यह मुमकिन नहीं लगता। हालांकि, हमारी उम्मीद बनी रहेगी। अगर प्रधानमंत्री मोदी अखंड भारत चाहते हैं तो उनका स्वागत है, लेकिन उन्हें बताना पड़ेगा कि वे पाकिस्तान के 11 करोड़ मुस्लिमों के बारे में क्या करेंगे।

जम्मू-कश्मीर एलजी का बयान : मनोज सिन्हा ने कहा-

अगर पाकिस्तान बंदूकों से J&K बंद कराता है, तो क्या गलत है कि हम डंडों का इस्तेमाल करते हैं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के लेफ्टीनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने कहा कि अगर पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर को बंद करने के लिए बंदूकों के आतंक का सहारा लेता है, तो क्या गलत है कि हम उसे जबाव देने के लिए डंडों का इस्तेमाल करते हैं। सिन्हा ने कहा कि जब तक वे जम्मू-कश्मीर के गवर्नर हैं, तब तक वे इस संबंध में कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं होने देंगे।

इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, मनोज सिन्हा ने पत्रकार बशीर असद की किताब %कश्मीर- द वॉर ऑफ नैरेटिव्स% के लॉन्च के मौके पर कई बातें कीं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने

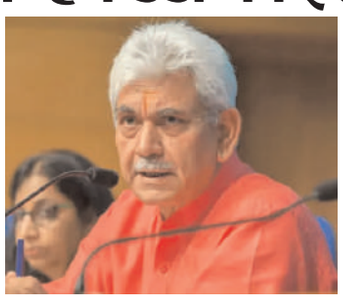

के दो साल पूरे होने को लेकर कहा कि 5 अगस्त के दिन प्रदेश में बेहतर हालात दिखाने के लिए फोर्स का इस्तेमाल नहीं किया गया। वहां हालात बेहतर ही हैं। लोगों ने मुझसे कहा कि 5 अगस्त को प्रदेश बंद होगा। तब मुझे समझ नहीं आया कि 5 अगस्त कोई खास तारीख है। लेकिन उस दिन कोई हड़ताल या बंद नहीं लगा।

डंडे के दम पर लोगों को शॉपिंग के लिए नहीं भेजा जा सकता

एक पत्रकार ने दिन के आखिर में मुझसे कहा कि मैंने डंडे के दम पर यह सुनिश्चित किया कि बंद न लगे। इसका मैंने जवाब दिया कि- सारा ट्रैफिक चल रहा था और लोग बड़ी संख्या में शॉपिंग कर रहे थे। ये सब डंडे के जोर पर नहीं हो सकता। लेकिन अगर आप मानते हैं तो मैं इसे स्वीकार करता हूं। बंद भी तो पाकिस्तान और आतंकवाद की बंदूक से होता है। अगर मैंने डंडे का प्रयोग किया तो कुछ बुरा नहीं। उन्होंने आगे कहा, मैं मानता हूं कि यह एकदम साफ होना चाहिए कि यह एक बेहद बारीक लाइन है और इसे किसी को पार करने की अनुमति नहीं है।

देश के सशक्तिकरण के लिए बहनों का सशक्तिकरण आवश्यक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि देश का सशक्तिकरण बहनों के सशक्तिकरण के बिना संभव नहीं है। मुख्यमंत्री बनने के बाद लगातार मेरे प्रयास रहे हैं कि मैं माँ-बहन-बेटियों की जिंदगी में कैसे खुशिया लाऊँ। उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में बहनों का शैक्षणिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक सशक्तिकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश आत्म-निर्भर बहनों के बिना नहीं बन सकता है। प्रदेश में बहनों को आत्म-निर्भर बनाने के विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। जल्दी ही महिला पंचायत बुलाई जायेगी, जिसमें बहनों से चर्चा के उपरांत

लाड़ली लक्ष्मी जैसी अन्य योजनाएं भी बनाई जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी प्रदेशवासियों से अपील की कि वे रक्षा बंधन के पावन अवसर पर माँ-बहन-बेटियों के अधिकारों की रक्षा, उनके सम्मान, उनके कल्याण, उनके सशक्तिकरण का संकल्प लें। हम संकल्प लें कि उनके सपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए उन्हें सभी अवसर दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश की सभी बहनों से कहा कि रक्षाबंधन पर जब वे अपने भाई को राखी बांधे तो उनसे पूछें कि उन्होंने कोरोना का टीका लगवाया कि नहीं।

पूजनीय हैं माँ- बहन-बेटियाँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत में अनादिकाल से माँ-बहन-बेटियों का सम्मान है तथा वे हमारे लिए पूजनीय हैं। भारतीय परंपरा में कहा जाता है कि जहां नारियों की पूजा होती है, वहां ईश्वर का वास होता है।

भारतीय परंपराओं की वाहक

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बहनें हमारी संस्कृति, जीवनमूल्य, व्रत, उत्सव, तीज-त्यौहार आदि परंपराओं की वाहक हैं। भारत की परिवार व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए आश्चर्य का विषय है तथा इसकी धुरी हैं नारियां। प्रदेश में बेटियों के पूजन के साथ शासकीय कार्य प्रारंभ होता है। बेटियों का सम्मान एवं सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है।

जनआशीर्वाद यात्रा पर आए केंद्रीय मंत्री ने धर्मगुरूओं, प्रबुद्धजनों, साहित्यकारों से की भेंट

गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही मोदी सरकार की योजनाएं : डॉ. वीरेंद्र खटीक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

श्री नरेन्द्र मोदी जी जब देश के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि ''यह सरकार गरीबों को समर्पित'' है। आज मोदी सरकार की सारी योजनाएं गरीबों के कल्याण को समर्पित हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना, उजाला योजना और आयुष्मान भारत जैसी कितनी ही योजनाएं गरीब परिवारों के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही हैं। यह बात केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र खटीक ने भोपाल में जनआशीर्वाद यात्रा के दौरान प्रभुनगर कमेटी हॉल में अनुसूचित जाति वर्ग द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कही। केन्द्रीय मंत्री श्री खटीक ने कहा कि मंत्रीमंडल का विस्तार करते समय प्रधानमंत्री जी ने प्रत्येक समाज और वर्ग का ध्यान रखा। पहली बार केन्द्र सरकार में 11 महिलाओं, ओबीसी के 27 तथा एससी के 12 मंत्रियों को शामिल किया गया। लेकिन विपक्ष ने दोनों ही सदनों में नए मंत्रियों का परिचय नहीं होने दिया। इसलिए ये मंत्री जनआशीर्वाद यात्रा के माध्यम से जनता तक अपनी बात पहुंचा रहे हैं। यात्रा के दौरान श्री खटीक के साथ प्रदेश शासन के मंत्री श्री विश्वास सारंग, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री आलोक शर्मा, प्रदेश महामंत्री श्री भगवानदास सबनानी, श्री रणवीर सिंह रावत, सांसद सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर, श्री महेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष श्री सुमित पचौरी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र

कार्यक्रम के दौरान भोपाल सांसद सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित विभिन्न समाज की बहनों ने तीन तलाक समाप्त करने, कश्मीर से धारा 370 हटाने, उज्जवला एवं अन्य योजनाएं लागू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नाम रक्षासूत्र श्री खटीक को बांधा। इस अवसर पर विभिन्न समाजों के पदाधिकारी श्री रामप्रसाद चंदोरिया, श्री गणेश शाक्य, श्री अहिरवार बारेलाल, श्री सचिन वर्मा, श्री सुदर्शन, श्री शारदा प्रसाद, श्री बमन सरजू, श्री रामप्रकाश वंशकार, श्री तुलसीदास जोझोतिया, श्री रमेश गौतेल वाल्मीकि, श्री गंगाराम घोसरे, श्री संदीप कल्याणे, श्री अभिषेक आर्य, श्री जगन्नाथ बबीसा आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सपरिवार वृक्षारोपण किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रक्षाबंधन के अवसर पर स्मार्ट सिटी पार्क में सपरिवार वृक्षारोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह तथा पुत्र श्री कुणाल सिंह ने करंज का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने एक वर्ष तक निरंतर वृक्षारोपण के संकल्प के तहत प्रतिदिन एक पौधा लगाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

किसान आंदोलन से ट्रेन रुकी भोपाल से होकर जाने वाली पुणे-जम्मूतवी एक्सप्रेस रद्द

भोपाल। पंजाब में फिरोजपुर मंडल के जालंधर कैंट-चिहेरू रेल खंड के मध्य चल रहे किसान आंदोलन का असर ट्रेनों के संचालन पर पड़ा है। इसके कारण भोपाल से होकर जाने वाली श्रीमाता वैष्णव देवी कटरा रद्द कर दी गई है। पुणे-जम्मूतवी एक्सप्रेस समेत छह गाड़ियों पर इसका असर हुआ है।

निरस्त ट्रेन:- नागपुर स्टेशन से चलने वाली गाड़ी संख्या 02025 नागपुर-अमृतसर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त की गई है। जिसके कारण 23 अगस्त को अमृतसर स्टेशन से सुबह 4 बजे रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 02026 अमृतसर-नागपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल रेक के अभाव में निरस्त रहेगी। जम्मूतवी से होकर पुणे को जाने वाली गाड़ी संख्या 01078 जम्मूतवी-पुणे एक्सप्रेस स्पेशल प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त की गई है। इस कारण 23 अगस्त को पुणे स्टेशन से प्रस्थान कर जम्मूतवी को जाने वाली गाड़ी संख्या 01077 पुणे-जम्मूतवी एक्सप्रेस स्पेशल रेक के अभाव में निरस्त रहेगी।
अमृतसर से प्रस्थान कर नांदेड़ को जाने वाली गाड़ी संख्या 02716 अमृतसर-नांदेड़ एक्सप्रेस स्पेशल प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त की गई है। इस कारण 23 अगस्त को नांदेड़ स्टेशन से प्रस्थान कर अमृतसर को जाने वाली गाड़ी संख्या 02715 नांदेड़-अमृतसर एक्सप्रेस स्पेशल रेक के अभाव में निरस्त रहेगी।

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों को दिया संदेश

वैक्सीन के दोनों डोज लगवाकर स्वयं को करें कोरोना से सुरक्षित

» 25 एवं 26 अगस्त प्रदेश में टीकाकरण महा-अभियान

» सभी से अभियान को सफल बनाने की अपील की

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने रक्षाबंधन के अवसर प्रदेशवासियों को संदेश देते हुए कहा है कि वे कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगाकर स्वयं, परिवार, प्रदेश तथा देश को सुरक्षित करें। यह बहनों के लिए भाइयों की ओर से सच्चा तोहफा होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में नियमित टीकाकरण के साथ ही आगामी 25 एवं 26 अगस्त को टीकाकरण महाअभियान चलाया जाएगा। 18 वर्ष के अधिक उम्र का हर पात्र व्यक्ति दोनों डोज अवश्य लगवाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन महाअभियान में 25 अगस्त को कोरोना वैक्सीन का पहला एवं दूसरा डोज तथा 26 अगस्त को दूसरा डोज निर्धारित केन्द्रों पर लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी कोरोना वालेंटियर्स,जन-प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं, धर्मगुरुओं, समाजसेवियों, विभिन्न संगठनों सहित आमजन से अपील की है कि वे इस टीकाकरण महाअभियान में अपना पूरा सहयोग देकर इसे पूर्ण रूप से सफल बनाएं।

कोरोना अभी समाप्त नहीं हुआ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोरोना नियंत्रित हुआ है, परन्तु पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। अभी भी कोरोना के प्रकरण आ रहे हैं। घबराने की आवश्यकता नहीं। पूर्ण सावधानी बरतें तथा कोविड अनुकूल व्यवहार करें।

टीका देता है 93 प्रतिशत सुरक्षा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीन कोरोना के विरुद्ध मजबूत सुरक्षा चक्र है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि वैक्सीन कोरोना के विरूद्ध 93 प्रतिशत सुरक्षा देता है। परन्तु इसके लिए कोरोना के दोनों डोज निर्धारित समयावधि में लगवाना जरूरी है। यह वैक्सीन तभी पूरी तरह प्रभावी होगा, जब इसके दोनों डोज लिए जाएं।

12 प्रतिशत ने ही लगवाया है दूसरा डोज

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 60 प्रतिशत पात्र व्यक्तियों को कोरोना का प्रथम डोज लग गया है, परन्तु 12 प्रतिशत ने ही दूसरा डोज लगवाया है। जिन्होंने कोविशील्ड टीका लगवाया है वे 84 दिन बाद तथा जिन्होंने कोवैक्सीन टीका लगवाया वे 28 दिन बाद दूसरा डोज अवश्य लगवाएं।

तथ्यों और तर्कों के साथ षड्यंत्रों का मुकाबला करें

मुख्यमंत्री और प्रदेशाध्यक्ष ने किया मीडिया विभाग का मार्गदर्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

हमारे विरोधी मैदान में नहीं सिर्फ सोशल मीडिया पर लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके नेता रोज कोई न कोई षड्यंत्र रचकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास करते हैं। इसलिए हमारी मीडिया विभाग की टीम को तथ्यों और तर्कों के साथ कांग्रेस एवं अन्य विरोधियों के षड्यंत्रों का मजबूती से जवाब देना चाहिए। इसके साथ ही हमें केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाने का भी काम करना है। संगठन और सरकार के समन्वय के साथ पार्टी को मजबूत करें। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने आज शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश सह मीडिया प्रभारियों एवं प्रवक्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुहास भगत ने भी अपना मार्गदर्शन उद्बोधन दिया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने सभी वर्गों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चलाईं हैं और इतने विकास कार्य किए हैं जितनी आजतक किसी भी सरकार ने नहीं किए हैं। हमारे पास बताने के लिए अनेक उपलब्धियां हैं। जिसके आधार पर हम आक्रामक होकर अपना पक्ष रखें।

शिक्षा विकास के लिए अनिवार्य : राज्यपाल पटेल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनों द्वारा रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने बहनों को आशीर्वाद एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास के लिए अनिवार्य है। शिक्षित व्यक्ति जो भी कार्य करता है वह बेहतर होता है। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें, अच्छी शिक्षा प्राप्त कर देश और समाज के विकास में अपना योगदान दें।

संसद में शोर-शराबे को ही अपना अधिकार मान रहा

दायित्वों से मुंह चुराने वाला विपक्ष : खटीक

» केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारवार्ता में कहा-कांग्रेस व अन्य दलों ने नहीं किया दलितों, पिछड़ों के लिए काम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

लोकसभा के वर्षा कालीन सत्र में कांग्रेस और विपक्षी दलों का व्यवहार गैर जिम्मेदाराना रहा है। इन दलों ने एक दिन भी लोकसभा की कार्यवाही को सामान्य रूप से नहीं चलने दिया। जनहित के मुद्दों और चर्चाओं में रुकावट डालने की पुरजोर कोशिश की। विपक्षी दल अपने दायित्वों से पीछे हट कर केवल शोर-शराबे को अपने अधिकार मान रहे हैंस संसद में नए मंत्रियों का परिचय कराने की परंपरा रही है। पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा में नए सदस्यों का परिचय कराया जाता है। लेकिन विपक्ष ने इस संसदीय परंपरा का अपमान करते हुए नए मंत्रियों का परिचय भी नहीं होने दिया। यह बात केंद्रीय मंत्री श्री वीरेंद्र खटीक ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए कही। श्री खटीक की जन आशीर्वाद यात्रा आज भोपाल में है।

विपक्ष के रवैये के चलते हुआ जन आशीर्वाद यात्राओं का निर्णय

केंद्रीय मंत्री श्री खटीक ने कहा कि हाल ही में हुए मंत्रिमंडल विस्तार के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में ओबीसी के मंत्रियों की संख्या 27 हो गई है। अनुसूचित जाति के 12, अनुसूचित जनजाति के 8 और 11 महिलाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। लेकिन विपक्ष ने जब संसद में इन दलित, पिछड़े और महिला मंत्रियों का परिचय नहीं होने दिया, तो हमारे केंद्रीय नेतृत्व ने यह निर्णय लिया कि सभी मंत्री जनता के बीच जाएं और जनता का आशीर्वाद लें।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी विल्मर के 4,500 करोड़ रुपये के आईपीओ को अभी नहीं मिली सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने खाद्य तेल कंपनी अडाणी विल्मर लि. (एडब्ल्यूएल) के 4 कंपनी ने आईपीओ के जरिये धन जुटाने के लिए तीन अगस्त को सेबी के पास दस्तावेज जमा कराए थे। सेबी ने आईपीओ को मंजूरी नहीं देने की वजह का खुलासा नहीं किया है। सेबी की वेबसाइट पर 13 अगस्त को डाली गई सूचना के अनुसार, अडाणी विल्मर के आईपीओ पर 'निष्कर्ष' को अभी स्थगित रखा गया है। कोई भी सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए सेबी का 'निष्कर्ष' जरूरी होता है। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी विल्मर का आईपीओ के तहत 4,500 करोड़ रुपये या 60 करोड़ डॉलर के नए शेयर जारी करने का प्रस्ताव है। अडाणी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड नाम से खाद्य तेल बेचती है। यह खाद्य तेल बाजार की प्रमुख कंपनी है।

कर्मचारियों से कैंटीन सुविधा के लिए वसूले गए चार्ज पर नहीं लगेगा जीएसटी

नई दिल्ली। कर्मचारियों द्वारा कैंटीन सुविधा के लिए चुकाई गई राशि पर कोई माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं लगेगा। अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) ने यह व्यवस्था दी है। टाटा मोटर्स ने एएआर की गुजरात पीठ से संपर्क कर यह जानकारी मांगी थी कि क्या उसके कर्मचारियों द्वारा कैंटीन सुविधा के इस्तेमाल के लिए उनसे वसूली गई मामूली राशि पर जीएसटी लगेगा। इसके अलावा कंपनी ने यह भी पूछा था कि क्या कारखाने में काम करने वाले कर्मचारियों को उपलब्ध कराई गई कैंटीन सुविधा पर सेवाप्रदाता द्वारा लिए गए जीएसटी पर इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) की सुविधा मिलेगी। एएआर ने अपने फैसले में यह कहा है कि टाटा मोटर्स ने अपने कर्मचारियों के लिए कैंटीन की व्यवस्था की है, जिसका संचालन तीसरा पक्ष सेवाप्रदाता द्वारा किया जा रहा है।

बढ़ रहे रोजगार : जून में ईपीएफओ से जुड़े 12.83 लाख सदस्य, मई की तुलना में ये 39 फीसदी अधिक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना काल में रोजगार को लेकर राहत भरी खबर आई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से जून 2021 में 12.83 लाख लोग जुड़े हैं जो, मई 2021 की तुलना में 39 फीसदी ज्यादा हैं। मई में ईपीएफओ से 9.20 सदस्य जुड़े थे। वित्त वर्ष 2021-22 के 3 महीनों यानी अप्रैल, मई और जून में ईपीएफओ से कुल 34.79 लाख सदस्य जुड़े हैं।

8.11 लाख नए सदस्य जुड़े

जून में जुड़ने वाले 12.83 लाख सदस्यों में से करीब 8.11 लाख नए सदस्य हैं। वहीं 4.73 लाख सदस्य ऐसे हैं जो किसी कारण से ईपीएफओ से निकल गए थे और अब फिर से शामिल हो गए हैं।

नए सदस्य जोड़ने के मामले में महाराष्ट्र और हरियाणा आगे

महाराष्ट्र, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक में नए रोजगार में खासी तेजी दर्ज की गई। इन राज्यों में जून में ईपीएफओ से लगभग 7.78 लाख लोग जुड़े हैं, जो कुल जुड़ने वालों का 60.63 फीसदी है। नए सब्सक्राइबर्स में महिलाओं की संख्या 2.56 लाख रही।

18 से 25 साल के 6 लाख से ज्यादा सदस्य ईपीएफओ से जुड़े

उम्र के हिसाब से बात करें तो जून में 18 से 25 साल के 6 लाख से ज्यादा सदस्य ईपीएफओ से जुड़े हैं। इसके बाद लगभग 2.55 लाख सदस्यों के साथ 29-35 आयु वर्ग का स्थान है। डेटा में वे सदस्य शामिल हैं जो महीने के दौरान शामिल हुए हैं, बाहर निकले हैं और ईपीएफओ में फिर से शामिल हुए हैं। ईपीएफओ में हर महीने औसतन 7 लाख नए मेंबर जुड़ते हैं। 2020-21 में कुल 77.08 लाख नए सदस्य ईपीएफओ से जुड़े थे।

म्यूचुअल फंड्स की पसंद बदली

आईसीआईसीआई बैंक में फंड हाउसेस का 99,541 करोड़ रुपए का निवेश

- एचडीएफसी बैंक में 91,854 करोड़ का निवेश
- दोनों बैंकों के शेयर्स को खरीदने की सलाह दी गई है
- दोनों बैंकों के शेयर्स का भाव एक महीने में गिरा है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड कंपनियों ने निवेश को लेकर अपनी पसंद बदल दी है। बैंकिंग सेक्टर में आईसीआईसीआई बैंक के शेयर अब उनके पसंदीदा शेयर बन गए हैं। जुलाई के अंत तक इस बैंक के शेयर्स में फंड हाउसेस का कुल निवेश 99,541 करोड़ रुपए था, जबकि एचडीएफसी बैंक में 91,854 करोड़ रुपए का निवेश था।

आईसीआईसीआई बैंक में एसबीआई फंड का 18,261 करोड़ का निवेश

देश के टॉप म्यूचुअल फंड हाउसेस की बात करें तो सबसे बड़ा फंड हाउस एसबीआई म्यूचुअल फंड है। 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा इसका असेट अंडर मैनेजमेंट है। AU रू मतलब निवेशकों का जितना पैसा इस कंपनी के पास है। एसबीआई म्यूचुअल फंड का आईसीआईसीआई बैंक के शेयर्स में कुल निवेश जुलाई तक 18,261 करोड़ रुपए था। जून महीने तक 16,612 करोड़ रुपए का निवेश था। एचडीएफसी बैंक के शेयर्स में इस फंड हाउस का जून तक 24,475 करोड़ रुपए का निवेश था। जुलाई में यह कम होकर 23,792 करोड़ रुपए हो गया।

शेयर्स की कीमतों में उतार-चढ़ाव से वैल्यू पर होता है असर

वैल्यू में कम या ज्यादा का मामला शेयर्स की कीमतों में उतार-चढ़ाव से जुड़ा होता है। उदाहरण के तौर पर एसबीआई म्यूचुअल फंड के पास एचडीएफसी बैंक का जून तक 16.34 करोड़ शेयर थे। जुलाई में शेयर्स की संख्या बढ़ कर 16.68 करोड़ हो गई। यानी शेयर्स की संख्या बढ़ी, पर शेयर्स की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निवेश की वैल्यू घट गई।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का 13,199 करोड़ का निवेश:- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड का आईसीआईसीआई बैंक के शेयर्स में जुलाई तक 13,199 करोड़ रुपए का निवेश था। जून तक 11,680 करोड़ रुपए का निवेश था। जून में इस म्यूचुअल फंड के पास बैंक के 18.51 करोड़ शेयर्स थे। जुलाई में शेयर्स की संख्या बढ़कर 19.34 करोड़ हो गई। यानी म्यूचुअल फंड ने जून की तुलना में जुलाई में निवेश को 4 फीसदी बढ़ा दिया। एचडीएफ सीबैंक में हालांकि इसने 24 फीसदी निवेश बढ़ाया है।

5.42 करोड़ शेयर्स जून तक थे

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के पास एचडीएफसी बैंक के जून तक 5.42 करोड़ शेयर्स थे। इसकी वैल्यू 8,121 करोड़ रुपए थी। जुलाई में शेयर्स की संख्या बढ़कर 6.71 करोड़ हो गई, जबकि वैल्यू 9,567 करोड़ रुपए हो गई। इसी तरह एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आईसीआईसीआई बैंक के शेयर्स में जून तक 9,328 करोड़ रुपए का निवेश था, जो जुलाई में बढ़ कर 10,080 करोड़ रुपए हो गया। हालांकि शेयर्स की संख्या 14.79 करोड़ से घट कर 14.77 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसीम्यूचुअल फंड ने 5 फीसदी निवेश बढ़ाया है। जून में इसके निवेश की कुल वैल्यू 6,371 करोड़ रुपए थी, जो जुलाई में 6,341 करोड़ रुपए हो गई।

वैश्विक रुख से तय होगी इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा : विश्लेषक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

घरेलू मोर्चे पर किसी प्रमुख घटनाक्रम के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुख से तय होगी। इसके अलावा डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा उम्मीद से पहले अपने नरम मौद्रिक रुख को वापस लेने की संभावना, कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट के बढ़ते मामलों तथा चीन द्वारा नियामकीय मोर्चे पर कार्रवाई के बीच बीते सप्ताह वैश्विक बाजारों में जबर्दस्त बिकवाली का सिलसिला चला।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू मोर्चे पर महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के अभाव में बाजार वैश्विक घटनाक्रमों से दिशा लेगा। वैश्विक स्तर पर महामारी के मामले बढ़ने से चिंता बढ़ी है। इससे बाजार में काफी उतार-चढ़ाव है।'' बीते सप्ताह कम सत्रों के कारोबार के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 107.97 अंक या 0.19 प्रतिशत नीचे आया।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, ''आगे चलकर बाजार वैश्विक संकेतकों से दिशा लेगा। वैश्विक स्तर पर डेल्टा वैरिएंट के मामले बढ़े हैं, जो बाजारों के लिए इस समय बड़ी चिंता की वजह है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा प्रोत्साहन को कम करने को लेकर भी चिंता है।'' विश्लेषकों ने कहा कि तिमाही परिणामों का सीजन समाप्त हो चुका है। ऐसे में बाजार रुपये के उतार-चढ़ाव, ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और विदेशी कोषों के प्रवाह से भी दिशा लेगा।

इस हफ्ते महंगा हुआ सोना, लेकिन चांदी में गिरावट जारी

- साल के आखिर तक 50 हजार तक जा सकता है सोना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस हफ्ते सोने की कीमत में बढ़त देखने को मिली है। ज्वैलरी संगठन इंडियन बुलियन एंड जूलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते सोना 290 रुपए महंगा होकर 47,329 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 47,039 रुपए पर था।

फीकी पड़ी चांदी की चमक

इस हफ्ते चांदी की कीमत में गिरावट आई है। हफ्ते की शुरुआत में ये 63,047 रुपए पर थी जो, अब 62,233 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी ये इस हफ्ते 814 रुपए सस्ती हुई है।

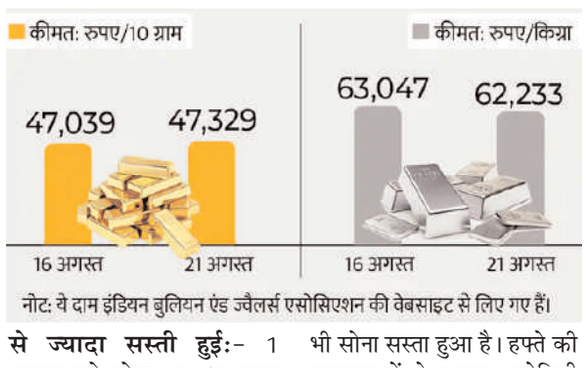

अगस्त में अब तक सोना 700 और चांदी 5,500 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई:- 1 अगस्त को सोना 48,105 रुपए पर था जो अब 47,329 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस महीने में सोना अब तक 776 रुपए सस्ता हो गया है। वहीं चांदी की बात करें तो ये 5,703 रुपए सस्ती होकर 62,233 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में संभला सोना

इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। हफ्ते की शुरुआत में ये 1,788 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था जो अब 1,782 डॉलर पर आ गया है।

साल के आखिर तक 50 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि कोरोना की तीसरी लहर के चलते सोना आने वाले दिनों में और महंगा हो सकता है। इस साल के आखिर तक ये 50 हजार रुपए तक जा सकता है।

ईमेल शिष्टाचार को लेकर जरूरी है जागरुकता का निर्माण करना

ईमेल लोगों के पेशेवर कामकाज का एक अभिन्न हिस्सा हैं, खासकर लॉकडाउन में घर से काम करने का चलन बढ़ने के साथ उनकी अहमियत और बढ़ गयी है। लेकिन साथ ही ईमेल से जुड़े शिष्टाचार को लेकर भी चर्चा बढ़ गयी है। ईमेल से जुड़े शिष्टाचार का मतलब है कि ईमेल में किस तरह से कैसे असम्मानजनक भाषा से बचा जाए, कैसे ईमेल हासिल करने वाला संदेश का गलत अर्थ ना निकाले। लेकिन हम ईमेल शिष्टाचार को लेकर कितने ही सतर्क क्यों ना रहें, उनसे गलत संदेश चला ही जाता है, भले ही ईमेल भेजने वाले का इरादा गलत ना रहा हो। इसकी वजह अकसर ईमेल पढ़ने वालों के मन में बैठा निगेटिव इंटेसिफिकेशन बायस यानी संदेश को नकारात्मक रूप में पढ़ना, है, जिसके तहत नकारात्मकता के हल्के से भी भाव को वे कहीं ज्यादा बड़े रूप में ले लेते हैं। कार्यालय में काम करने लोग दिन में करीब ढाई घंटे ईमेल पढ़ने, लिखने और उनका जवाब देने में गुजारते हैं। इनमें से ज्यादातर लोगों का कहना है कि उन्हें कई बार ऐसे ईमेल मिलते हैं जो सम्मानजनक नहीं होते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक 91 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसे ईमेल अपने कार्यालय के प्रमुख से मिलते हैं। ईमेल से कई बार संवाद की समस्या सामने आती है। आमने-सामने बैठकर संवाद करने की तुलना में ईमेल के जरिये संवाद में देरी होती है। आमने-सामने बैठकर संवाद में हम संवाद को बेहतर तरीके से समझने और किसी तरह की संवाद की समस्या को ठीक करने में सक्षम होते हैं लेकिन ईमेल के मामले में ऐसा नहीं होता।

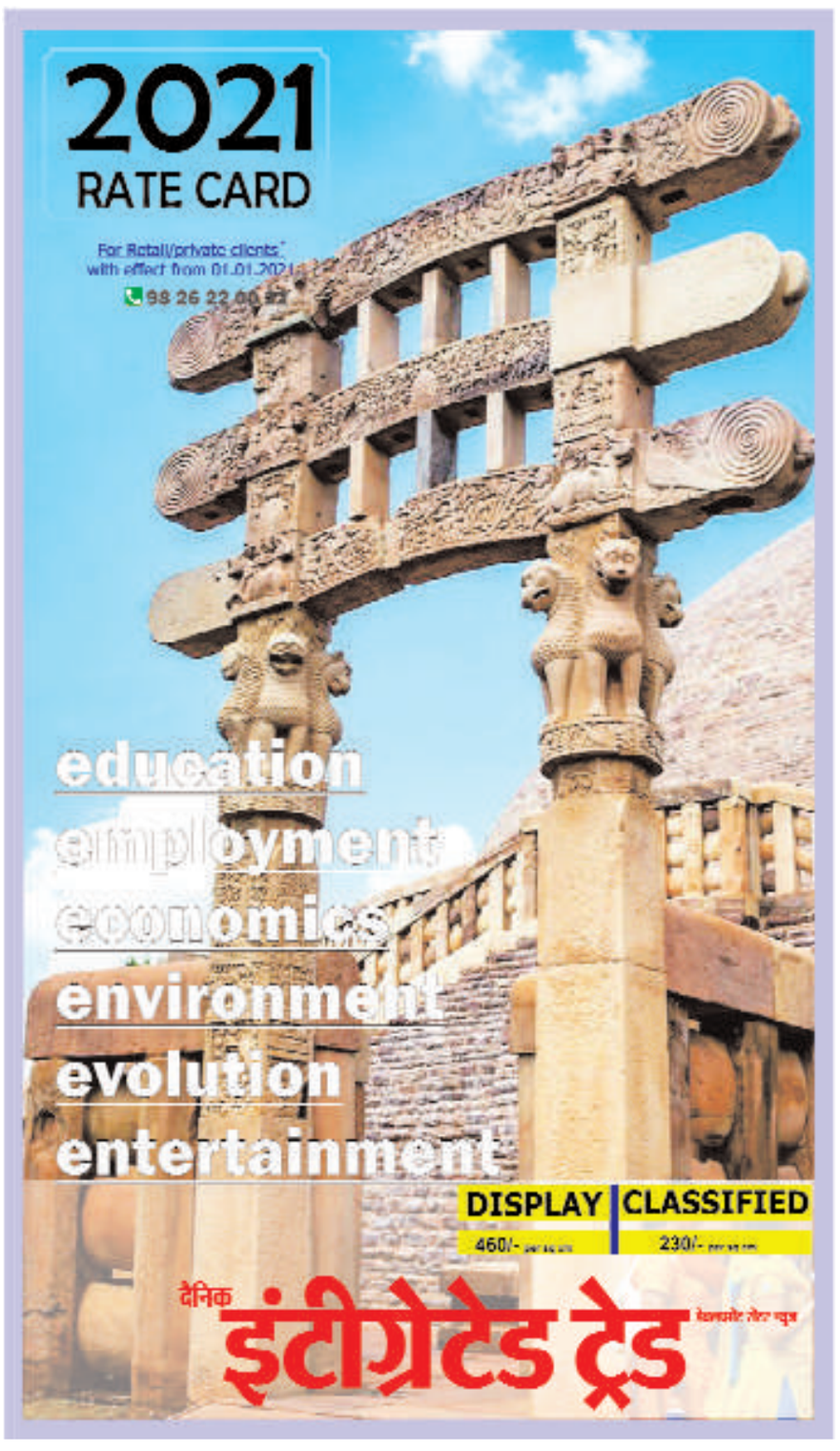

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 483 परियोजनाओं की लागत 4.43 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक के खर्च वाली 483 परियोजनाओं की लागत में तय अनुमान से 4.43 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी मिली है। देरी और अन्य कारणों की वजह से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जुलाई, 2021 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,781 परियोजनाओं में से 483 की लागत बढ़ी है, जबकि 504 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, इन 1,781 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 22,82,160.40 करोड़ रुपये थी, जिसके बढ़कर 27,25,408.00 करोड़ रुपये पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.42 प्रतिशत या 4,43,247.60 करोड़ रुपये बढ़ी है।'' रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई, 2021 तक इन परियोजनाओं पर 13,22,515.87 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 48.53 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें, तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 369 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 1001 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 504 परियोजनाओं में 92 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 118 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 178 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की तथा 116 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 504 परियोजनाओं की देरी का औसत 46.85 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण व वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी तथा बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख हैं।

मेरा चेहरा झुलसा है, हौसला नहीं

अभी वह महज 17 साल की हैं। मगर इससे भी दो वर्ष पहले जिंदगी ने उन्हें ऐसा दर्दनाक तजुर्बा दिया है, जिसकी टीस तो खैर आखिरी सांस तक रहेगी, मगर अपने इस निर्मम अनुभव को उन्होंने नेपाली लड़कियों की खातिर एक ऐसे आंदोलन में बदल डाला कि उनकी सराहना किए बिना अमेरिकी सरकार भी न रह सकी। मुस्कान खातून को अमेरिकी सरकार ने विश्व की साहसी औरतों में शुमार करते हुए इस साल के 'इंटरनेशनल वुमेन ऑफ करेज अवॉर्ड' से नवाजा है। भारतीय सीमा से लगा नेपाल का एक बड़ा शहर है बीरगंज। यहीं के परसा इलाके में 2004 में मुस्कान पैदा हुईं। पिता रसूल अंसारी और मां शहनाज ने बेटी की खूबसूरती और शोखियों को देखकर ही यह नाम रखा था। अपनी बेलौस खिलखिलाहट और चंचलता के कारण पूरे मोहल्ले की चहेती मुस्कान ने स्कूल के बेहतरीन नतीजों से मां-बाप का सिर हमेशा बुलंद रखा। खानदान में लड़कियों के हाईस्कूल पास करने से पहले ही निकाह की रवायत थी, मगर मुस्कान की जहानत ने मां के भीतर की लड़की को जिंदा कर दिया था। वह चाहती थीं कि मुस्कान को अपने सपनों को जीने की पूरी छूट मिले और वह इस दकियानूस परंपरा को तोड़ दें। उन्होंने इसके लिए सबको राजी कर लिया था। मगर उन्हें कहां पता था कि आगे एक ऐसी आजमाइश खड़ी है, जो न सिर्फ बेटी से उसकी मुस्कान छीन लेगी, बल्कि उन सबकी दुनिया बदल देगी? रिश्तेदारी के ही एक लड़के की नजर काफी समय से मुस्कान पर थी। हालांकि, वह उनसे बमुश्किल एक-डेढ़ साल बड़ा होगा, मगर वह अक्सर स्कूल के रास्ते में खड़ा मिलता। कभी फब्तियां कसता, तो कभी उन्हें देख फिल्मी गीत गाता। मुस्कान उसे नजरअंदाज कर आगे बढ़ जाया करती थीं। मगर एक दिन उसने उन्हें रोककर अपने प्रेम का प्रस्ताव रख दिया। मुस्कान का लक्ष्य कुछ और था। अभी वह सिर्फ नौवीं जमात में थीं। उन्हें तालीम के जरिये अपने माता-पिता के लिए गौरव के पल जुटाने थे। मां ने खानदान से जो मौका उनके लिए हासिल किया था, उस फैसले को दुरुस्त साबित करना था। इसलिए उन्होंने न सिर्फ वह प्रेम-प्रस्ताव ठुकराया, बल्कि उसकी इस हिमाकत के बारे में अपने पिता को भी जाकर बताया। जाहिर है, रसूल अंसारी ने उस लड़के को बुरी तरह लताड़ा और आईंदा बेटी से दूर रहने की हिदायत देकर रिश्तेदारी का पास रखा। पर क्षुद्र प्रेम घृणित प्रतिशोध में बदल चुका था। बदले की आग ने उसके इस विवेक को भी राख कर दिया था कि मुस्कान उसकी रिश्तेदार हैं। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ मिलकर उसने ऐसी साजिश रची कि शातिर अपराधी भी सिहर उठें। 6 सितंबर, 2019 को मुस्कान अपने त्रिभुवन माध्यमिक स्कूल के लिए निकली थीं। रास्ते में दो अन्य साथियों के साथ वह अचानक सामने आ खड़ा हुआ। उसके हाथ में तेजाब की बोतल थी। वह मुस्कान को पिलाना चाहता था, ताकि उनके बचने की गुंजाइश न रहे। मुस्कान उन तीनों से बचकर भाग पातीं, इसके पहले उसने उनके चेहरे पर तेजाब झोंक दिया था। भयानक दर्द से कराहती मुस्कान को स्कूल के साथियों ने अस्पताल पहुंचाया। उनके चेहरे का एक हिस्सा, गरदन, छाती और हाथ बुरी तरह जल गए थे। दाहिने कान को सर्जरी के जरिये निकालना पड़ा था। एक खुशमिजाज, जहीन और संभावनाओं से भरी दुनिया पूरी तरह झुलस चुकी थी। आगे डॉक्टरों ने जो कुछ कहा, वह भी हौसला तोड़ने वाला था। इलाज महंगा था और लंबा चलने वाला भी। मामूली आर्थिक हैसियत वाले मां-बाप की जिम्मेदारियां अन्य संतानों के प्रति भी थी। पर वे बेटी को कैसे छोड़ देते? मां-बाप एक तरफ बेटी की असह्य शारीरिक पीड़ा व इलाज के भारी खर्चे से पस्त थे, तो दूसरी तरफ रिश्तेदारों-परिचितों के ताने उन्हें हताश कर देते थे। मुस्कान अपने माता-पिता की हालत देख और दुखी हो जातीं। उसी तकलीफ में उन्होंने खुद से वादा किया कि इस दरिंदगी के आगे वह घुटने नहीं टेकेंगी। हालत संभलते ही उन्होंने तेजाबी हमले को संगीन जुर्म घोषित करने की मुहिम छेड़ दी। कुछ स्वार्थी तत्वों की धमकियां व सामाजिक दबाव भी मुस्कान को डिगा न सका। वह एक सशक्त कानून के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से भी मिलीं। उनकी कहानी सुन ओली बहुत द्रवित हुए। उन्होंने मुस्कान से वादा किया कि न सिर्फ कानून सख्त किया जाएगा, बल्कि तेजाब की बिक्री पर भी अंकुश लगाया जाएगा। मुस्कान की मुहिम का समर्थन महानायक अमिताभ बच्चन से लेकर नेपाली फिल्म जगत के सुपरस्टार राजेश हमाल ने भी किया। उनके प्रयासों का ही असर है कि नेपाल सरकार ने तेजाबी हमले से संबंधित एक विधेयक सदन में पेश किया है, जिसमें हमलावर के लिए 20 साल की कैद और संपत्ति कुर्क किए जाने की सख्त सजा प्रस्तावित की गई है। यही नहीं, यह विधेयक पीड़िता के इलाज, शिक्षा व नौकरी की भी गारंटी प्रस्तावित करता है। प्रतिष्ठित अमेरिकी सम्मान हासिल करके मुस्कान ने माता-पिता ही नहीं, नेपाल को भी गौरवान्वित किया है।

प्रस्तुति- चंद्रकांत सिंह

संपादकीय

थरूर, कनिमोझी और राजा के बहाने

अंग्रेजी की यह कहावत पिछले कई दिनों से मेरे दिलो-दिमाग पर दस्तक दे रही है। वजह? एक और हाई प्रोफाइल मामले में अदालत को सुबूत नहीं मिले हैं। सवाल उठते हैं कि क्या इस तरह के आपराधिक मुकदमों में सीबीआई अथवा अन्य जांच एजेंसियां ठीक से काम नहीं करतीं? क्या वे 'मैनेज'हो जाती हैं? या उन्हें 'किसी के'इशारे पर काम करना पड़ता है, और इस वजह से कभी-कदा वे राजनीतिक प्रतिशोध के औजार के तौर पर इस्तेमाल हो जाती हैं? आप समझ गए होंगे कि मैं शशि थरूर की बात कर रहा हूं। 17 जनवरी, 2014 को उनकी पत्नी सुनंदा पुष्कर दिल्ली के एक पंचतारा होटल के कमरे में मृत पाई गई थीं। पुलिस की प्रारंभिक जांच के बाद पहली जनवरी, 2015 को अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। आगे की 'जांच के बाद'जांचकर्ताओं ने कांग्रेस के इस सर्वाधिक आकर्षक सांसद को भी नामजद कर दिया था। उन पर पत्नी के प्रति क्रूर बर्ताव और आत्महत्या के लिए उकसाने की गंभीर धाराएं लगाई गई थीं। थरूर नामवर हैं, लिहाजा हंगामा मच गया। शोर इतना जबरदस्त था कि लोगों को लगने लगा था कि कहीं इससे थरूर साहब का सार्वजनिक जीवन न खतरे में पड़ जाए, पर वह अडिग रहे। वह लोकसभा जाते रहे, सार्वजनिक संवादों में हिस्सेदारी करते रहे, आरोप-प्रत्यारोप की इस वर्षा में उन्होंने चुनाव लड़ा और जीता। साढ़े सात साल की इस लंबी अवधि में उन्होंने कैसी मानसिक प्रताड़ना झेली होगी, यह कहने-सुनने से ज्यादा समझने की बात है। बहरहाल, दिल्ली की विशेष अदालत की जज गीतांजलि गोयल ने 97 गवाहों के परीक्षण के बाद पाया कि उनके खिलाफ लगाए गए किसी भी आरोप में दम नहीं है। वह आरोप मुक्त कर दिए गए हैं।

क्या पुलिस ने इस प्रत्याशा में चार्जशीट लगा दी थी कि अदालत गवाहों के परीक्षण के दौरान खुद ही आपराधिक कारण ढूंढ़ लेगी? ऐसे में, दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगने लाजिमी हैं, पर वह अकेली नहीं है। भारत की हर जांच एजेंसी ऐसे ही कालौंछ भरे आरोपों की जद में है। आपको 2-जी का मामला याद होगा। उस समय ऐसा लगता था, जैसे कांग्रेस और डीएमके के नेताओं ने भ्रष्टाचार की इंतिहा कर दी है। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री ए राजा और द्रमुक सांसद कनिमोझी को महीनों तक सीखचों के पीछे रहना पड़ा था। कनिमोझी तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि की बेटी हैं। उनके विरोधियों ने आरोपों के इस खोखले चने को इतना घना बजाया कि लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में इसका प्रतिकूल असर पड़ा। द्रमुक सत्ता से गई और कांग्रेस अभूतपूर्व तौर पर पराजित हुई, लेकिन नतीजा क्या निकला? सीबीआई की विशेष अदालत ने आरोपियों को दोष मुक्त कर दिया। आप चाहें, तो पूछ सकते हैं कि इस दौरान उन्हें जो जलालत झेलनी पड़ी, उसकी भरपाई कौन करेगा? उन पर कीचड़ की बौछार करने वाले माफी मांगेंगे क्या? बोफोर्स का मामला भी कुछ ऐसा ही था। राजीव गांधी उस समय सर्वकालिक सर्वाधिक सीटों के साथ सत्तानशीं थे। वह सबसे युवा प्रधानमंत्री थे और देश के नौजवानों को उनसे तमाम उम्मीदें थीं। दलाली के आरोपों ने उन्हें नायक से खलनायक बना दिया था। 1989 में उन्हें इसी के चलते सत्ताबदर होना पड़ा था। हुकूमत की इस जंग में हार-जीत होती रहती है, पर वह पराजय करोड़ों लोगों की नाउम्मीदी से उपजी थी। तब से अब तक 32 सावन-भादो गुजर गए और बोफोर्स का जिन्न भी बोतल में समा गया, लेकिन जिनके सपने टूटे, उनका क्या? मैं रंज के साथ कहना चाहता हूं, आजादी के 74 सालों में देश की जांच एजेंसियों के दुरुपयोग में हर पार्टी की सरकार ने बराबर की हिस्सेदारी निभाई है। न कोई कम है, न ज्यादा। यही वजह है कि मद्रास हाईकोर्ट ने गुजरे सप्ताह कड़े शब्दों में सीबीआई को पिंजड़े से मुक्त करने को कहा था। बताने की जरूरत नहीं कि देश की इस अग्रणी जांच संस्था को 'तोते'का खिताब खुद सर्वोच्च अदालत ने दिया था। जब विधि-विधान के सटीक अनुपालन की बात होती है, तब मुझे दो लोग खासतौर पर याद आते हैं। 40 वर्षों से अधिक लंबे कार्यकाल में ये दो साधारण लोग मुझे असाधारण अनुभव दे गए। एक था रिक्शे वाला, जिसे अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में आगरा जेल में सजा-ए-मौत दी जानी थी। फांसी के कुछ दिनों पहले एक संवाददाता को उससे मिलने का अवसर मिला था। वह जानता था कि अब जिंदा बचने की कोई उम्मीद नहीं बची, फिर भी वह बार-बार दोहरा रहा था कि बाबूजी, मैंने अपनी बीवी की हत्या नहीं की। मौत के इतने पास खड़ा शख्स क्या झूठ बोल सकता है? सयाने कहते आए हैं, मरता हुआ आदमी कभी झूठ नहीं बोलता। इसी तरह, 1980 के दशक में लंबे समय से बिना अपराध जेल में बंद एक शख्स अखबारी खबरों की वजह से मुक्त हुआ था। दीपचंद नाम के उस गरीब इंसान को अंग्रेज हुकूमत में पुलिस ने शांति भंग करने की आशंका में गिरफ्तार किया था। इस धारा में आसानी से जमानत मिल जाती है, पर वह गरीब था, घरवालों के पास उसे छुड़ाने के लिए पैसे नहीं थे, लिहाजा वह जेल में सड़ने को अभिशप्त था। न जाने कब और कैसे वह कानपुर से नैनी जेल भेज दिया गया। दशक बीतते गए, पर वह वहीं पड़ा रहा। अखबार में खबर छपने के बाद अदालत और अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया। तब तक पानी सिर के ऊपर गुजर चुका था। दीपचंद वार्धक्य की स्थिति में पहुंच गया था। उसे न अपने घर का पता याद था, न घर वालों की कोई स्मृति। जेल उसका अकेला आश्रय था। छूटने के बाद भी वह ताजिंदगी केंद्रीय कारागार के चारों ओर विक्षिप्त भाव से घूमता मिलता। बाद में उसी की दीवारों और दरवाजों पर सिर पटकते हुए उसने दम तोड़ दिया।

विपक्षी एकजुटता की कवायद

यशवंत सिन्हा का जवाब 'ना' में था, तब कैसे सब साथ आएंगे? कुछ दिनों पहले एक पत्रिका के सर्वे में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरना बताया गया है, लेकिन साथ ही, यह भी बताया गया कि उनकी लोकप्रियता तीन बड़े विपक्षी नेताओं, यानी राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की कुल लोकप्रियता के बराबर है या फिर कांग्रेस के तीन नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की कुल लोकप्रियता से ज्यादा है।

-विजय त्रिवेदी

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के दिन कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के बुलावे पर विपक्षी नेताओं का एक साथ दिखाई देना तस्वीर में यूं तो अच्छा लगता है, लेकिन तस्वीरें अक्सर पूरा सच नहीं दिखातीं। इसका मायने यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि विपक्षी नेताओं के इकट्ठे होने का कोई मतलब ही नहीं। दरअसल विपक्षी एकता का यह गिलास आधा भरा हुआ है, यानी कुछ के लिए आधा खाली भी है, तो क्या अब उसे पूरा भरने की ईमानदार कोशिश शुरू हो गई है? न जाने क्यों, यहां मुझे बचपन की वह कहानी याद आने लगी है, जिसमें एक राजा गांव के तालाब के उद्घाटन के लिए गांव वालों से एक रात पहले हर घर से एक गिलास दूध तालाब में डालने की मुनादी करवाता है, लेकिन सवेरे तालाब में एक बूंद भी दूध नहीं है, वह पानी से भरा हुआ है, क्योंकि हर गांव वाला यह सोचकर घर से निकला ही नहीं कि केवल उसके एक गिलास दूध न डालने से क्या फर्क पड़ेगा? कमोबेश यही हाल मोदी विरोधी नेताओं और राजनीतिक दलों का लगता है, जो समझते हैं कि एकता की यह जिम्मेदारी दूसरे दलों और नेताओं की है। सपने देखना किसको अच्छा नहीं लगता, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर कलाम कहा करते थे कि सपने नींद में नहीं आते, सपने वो होते हैं, जो नींद नहीं आने देते, तो क्या विपक्षी नेताओं को मोदी को हटाने के सपने की शिद्दत यह है कि अब इसे पूरा करने के लिए उन्हें नींद नहीं आ रही? क्या उन्होंने अपने स्वार्थों, अहंकार और अपनी-अपनी ताकत के गलत अनुमानों को दूर रखने की कोशिशें शुरू कर दी हैं? ऐसा नहीं है कि इस रास्ते पर चलना शुरू नहीं किया गया है, पिछले छह महीनों में बहुत से लंच, ब्रेकफास्ट और डिनर मीटिंग हो गई हैं।

कोलकाता में बड़ी रैली भी हो गई। संसद में कई बार सबको साथ दिखाने की औपचारिकता भी पूरी की गई है। कुछ दिनों पहले मैंने पूर्व वित्त मंत्री और अब टीएमसी नेता यशवंत सिन्हा से पूछा था कि विपक्षी एकता के लिए क्या अभी जयप्रकाश नारायण जैसा लोकप्रिय और सम्मानित नेता या वीपी सिंह जैसी ईमानदारी छवि का लीडर या फिर हरकिशन सिंह सुरजीत जैसा रणनीतिकार है, जो सबको साथ लाने की ताकत और सम्मान रखता हो? यशवंत सिन्हा का जवाब 'ना' में था, तब कैसे सब साथ आएंगे? कुछ दिनों पहले एक पत्रिका के सर्वे में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का ग्राफ तेजी से गिरना बताया गया है, लेकिन साथ ही, यह भी बताया गया कि उनकी लोकप्रियता तीन बड़े विपक्षी नेताओं, यानी राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की कुल लोकप्रियता के बराबर है या फिर कांग्रेस के तीन नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की कुल लोकप्रियता से ज्यादा है। इसका मतलब यह नहीं है कि अब कुछ नहीं हो सकता, इस विपक्षी राजनीति के अंधेरे में रोशनी की उस किरण को देखिए, जिसमें साल 2019 में करीब 62 फीसदी वोट देश भर में ऐसा था, जो मोदी या भाजपा के खिलाफ दिया गया था, क्या उस तिनके-तिनके को साथ कर जोड़ा नहीं जा सकता? बीजेपी को पिछले चुनाव में 38 फीसद वोट मिला, जबकि कांग्रेस को उससे करीब आधा 20 फीसद वोट मिले, लेकिन मोटे तौर पर विपक्षी एकता में शामिल होने वाले ज्यादातर दलों का कुल वोट भी 20 फीसद तक नहीं पहुंच पाया है, यानी अब भी कांग्रेस ही सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के तौर पर सामने है। विपक्षी एकता की चर्चा से पहले सवाल यह होना चाहिए कि मोदी विरोधी विपक्ष का मतलब क्या है? किस तरह की विपक्षी एकता की बात हो रही है और किस तरह की एकता चाहिए? विपक्षी नेता इस हकीकत को भले ही न मानें, लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी यह बात अच्छे से समझते हैं कि इस एकता का छाता कांग्रेस के पास ही होगा और कांग्रेस का मतलब नेहरू-गांधी परिवार के बिना कुछ नहीं है, इसलिए वह हमेशा इस परिवार पर हमला बोलते हैं, कभी-कभी दूसरे कांग्रेसी नेताओं की तारीफ कर देते हैं। कांग्रेस को सबसे पहले अपने नेतृत्व के मुद्दे को सुलझाना चाहिए, यह कपिल सिब्बल की बर्थडे पार्टी से नहीं सुलझने वाला है और न ही जी-23 ग्रुप के चिट्ठी लिखकर कसमसाने से कुछ होगा। फिर विपक्षी एकता का मायने संसद में किसी मुद्दे पर एकजुटता दिखाना भर नहीं है, उसमें भी कभी राहुल गांधी के बुलावे पर टीएमसी और आम आदमी पार्टी नहीं दिखते, तो कभी सोनिया गांधी की बैठक में आम आदमी पार्टी और बसपा नजर नहीं आते। बहुत से लोग यह तर्क भी देते हैं कि क्षेत्रीय स्तर पर एकता मुश्किल है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा मुमकिन है, आपकी बात मान लेते हैं, लेकिन क्या ऐसा हो रहा है? शिवसेना और कांग्रेस नेताओं के एक साथ चुनाव नहीं लड़ने की बात या फिर कभी शिवसेना के लिए राष्ट्रवाद और राम मंदिर की अहमियत क्या कांग्रेस को परेशान करती है? या क्या एनसीपी नेता शरद पवार की प्रधानमंत्री मोदी के साथ लंबी मुलाकात क्या भ्रम पैदा नहीं करती है? कृषि कानूनों पर विरोध के बावजूद क्या अकाली दल कांग्रेस के साथ खड़े होने को तैयार है? क्या गैर-भाजपा पार्टियां चुनाव पूर्व गठबंधन बनाने को तैयार हो गई हैं? देश भर में 200 से ज्यादा संसदीय सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है, इनमें से करीब 90 फीसदी सीटें कांग्रेस ने हारी है। बाकी 300 से ज्यादा सीटों पर विपक्षी दलों की क्या रणनीति है, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। दरअसल, इस वक्त चुनावी एकता से ज्यादा राजनीतिक एकता जरूरी है। साल 2024 के आम चुनाव से पहले अगले साल 2022 में सात राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में फरवरी-मार्च में और फिर अक्तूबर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं। इसके बाद साल 2023 में नौ राज्यों - त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय में फरवरी में, कर्नाटक में मई में और राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में दिसंबर में चुनाव होंगे। यानी 16 मौके हैं, भाजपा से मुकाबला कर उसे कमजोर करने और विपक्षी एकता दिखाने के। आपको जनता को भरोसा दिलाना है कि आप न केवल इस सरकार को हटा सकते हैं, बल्कि एक नई सुबह की शुरुआत भी कर सकते हैं।

काबुलीवाला : बिमल राय (1961)

प्रेम और सम्वेदना मनुष्य की सहजवृत्ति हैं। हमारा संवेदनात्मक लगाव केवल %अपनों% से नही अपितु %दूसरों% से भी हो सकता है। या यों कहें कि जिनसे हमारा लगाव हो जाता है उसे हम अपना समझने लगते हैं। इस लगाव के कई रूप और नाम हैं। स्त्री पुरुष का प्रेमाकर्षण है, मित्रता है, बड़ों के प्रति सम्मान छोटो के प्रति स्नेह है तो दीन-दुखियों के प्रति करुणा भी है। इन विविध रूपों में एक रूप सन्तान के प्रति प्रेम है।

मनुष्य का अपने सन्तान से अत्यधिक लगाव होता है; वह उसकी सलामती और सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। अपनी संतान से तो सब प्रेम करते हैं मगर इसका उदात्त रूप वहां दिखाई देता है जब व्यक्ति %दूसरे% की संतान को अपनी संतान की तरह प्रेम करने लगता है। प्रेम और करुणा जाति-धर्म-भाषा-मुल्क के सीमाओं से परे होते हैं मगर विडम्बना है कि नफ़रत के लिए उपर्युक्त आधार आज बेहद प्रचलित हो चले हैं। आज एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को बिना उसे जाने केवल उसके धर्म या मुल्क के आधार पर उससे नफ़रत कर सकता है, करता है।सामाजिक समरसता आज इस कदर विखण्डित हो रहा है कि लोगों की अपने से भिन्न सांस्कृतिक पहचान समूह से एक अघोषित दूरी बनती जा रही है। ऐसे में %काबुलीवाला% जैसे कहानी और फ़िल्म में चित्रित प्रेम और सम्वेदना किसी और %दुनिया% की बात लग सकती है। मगर मनुष्यता ऐसे संकटों से कई बार गुजरती रही है। उम्मीद की जानी चाहिए वह सुबह फिर से आएगी। फ़िल्म में काबुल का एक पठान (खान) (बलराज साहनी) आर्थिक समस्या के समाधान के लिए पलायन कर हिन्दोस्तान के कलकत्ता शहर आता है। इस %आने% को अप्रत्याशित नही कह सकते क्योंकि प्राचीन काल से विभिन्न देशों में व्यापार आदि कारणों से भिन्न देश के लोग आते-जाते रहे हैं। आवागमन के यांत्रिक साधनों ने इसमे अवश्य अप्रत्याशित तेजी दी है। जाहिर है काबुल(अफ़गानिस्तान) से भी लोग अपने भौगोलिक परिवेश के उपज काजू,पिस्ता, बादाम, सूखा मेवा, तथा कारीगरी के सामान आदि को बेचने भारत आते रहे हैं। फ़िल्म का %काबुलीवाला% भी बचपन से अपने परिवेश में यह देखता रहा होगा; इसलिए भारत आने का विचार उसके मन में आया होगा।

काबुलीवाला काबुल में अपनी चार-पाँच साल की नन्ही बेटी को अपनी माँ के सहारे छोड़कर आया है। पत्नी नहीं है। बेटी की याद संजोकर रखने के लिए उसकी हथेलियों की छाप कागज पर ले आया है। जब बेटी की याद आती है तो उसे देख लेता है। वह फेरीवाला है। फेरी लगाकर शहर में अपना सामान बेचता है। इसी दौरान एक दिन उसकी %मिनी% से पहचान होती है। मिनी उसकी बेटी की हमउम्र है। उसे उसमें अपनी बेटी की छवि दिखाई देती है। मिनी एक चंचल बातूनी लड़की है। उसके पिता लेखक हैं। माँ गृहणी है। मिली काबुलीवाले से हिल-मिल जाती है। अपनी स्वाभाविक चपलता में उससे बतियाती है। काबुलीवाला का पितृत्व भी उससे प्रेम करने लगता है। काबुलीवाला अपना कुछ सामान सहजता से उसे देने लगता है, मगर मिनी के पिता अक्सर पैसे दे देते हैं।

मिनी की माँ एक अजनबी परदेशी से उसके घुलने-मिलने को सहज नही ले पाती। उसका मन आशंकित रहता है। अक्सर फेरीवालों के प्रति समाज मे एक कल्पित भय अथवा अफ़वाह रहता है कि वे बच्चे चुरा लेते हैं। ऐसा भी नहीं कि कभी बच्चा चोरी की घटना हुई ही न हो, मगर अधिकांशत: इसमे अफ़वाह ही रहता है।मगर मिनी के पिता काबुलीवाले के सहृदयता को देखकर उसके प्रति कभी आशंकित नही रहें। पत्नी के कई बार मना करने पर वह द्वंद्वग्रस्त हो जाते हैं, मगर दोनों के एक दूसरे के प्रति लगाव को देखकर कोई न कोई रास्ता निकाल लेते हैं।

टैगोर जी की कहानी छोटी है; इसलिए फ़िल्म को अपेक्षित लंबाई देने के लिए छोटे-छोटे पूरक प्रसंग जोड़े गए हैं, जो सहज बन पड़े हैं।ये कहानी के प्रवृत्ति के अनुरूप हैं। मसलन एक बार मिनी बीमार होती है, और ठीक नहीं हो रही होती है तो माता-पिता के साथ काबुलीवाला भी दुखी रहता है। जब माता-पिता दवा कराते रहते हैं तो वह दुआ करते रहता है। एक दिन तो वह रात-भर मिनी के घर के बाहर बैठकर दुआ मांगता रहता है। इसी तरह एक दूसरी घटना में जब मिनी की माँ आशंकाग्रस्त होकर उसे रोज़ घर न आने के लिए पति से कहलवाती है तब मिनी उसका रोज़ राह देखा करती है और एक दिन उसे ढूँढने गली में निकल जाती है और भटक जाती है। इधर माँ-बाप परेशान उधर काबुलीवाला भी परेशान होकर ढूंढता है। अफ़वाह फैल जाती है कि काबुलीवाले ने बच्ची चुरा लिया है। संयोग से मिनी काबुलीवाले को ही मिलती है। मगर उसी समय भीड़ आ जाती है काबुलीवाले को पीटने लगती है। मिनी रोने लगती है। संयोग से मिनी के पिता वहां आकर स्थिति सम्हालते हैं और वास्तविकता का पता चलता है। इसके बाद कहानी में नाटकीय मोड़ आता है। इन घटनाओं से काबुलीवाले के मन मे अपने देश लौटने की इच्छा प्रबल हो जाती है। वह अपना काम समेटने लगता है। मगर उधार में दिए सामान के पैसे वसूलने के दौरान एक ग्राहक के साफ मुकर जाने और गाली-गलौच करने से हुए झड़प में वह उसे चाकू मार देता है। पुलिस जब उसे कैद कर ले जाते रहती है तब मिनी के घर के पास से गुजरती है। मिनी उसे पूछती है आप कहाँ जा रहे हो तब वह कहता है अपने ससुर के घर। दरअसल वह मिनी से इसी तरह का मज़ाक किया करता था।

सानंद मनाएं रक्षाबंधन।

सप्रेम सजाएं मणिबंधन। उपहार बहन को देता भाई। भाई- बहन में भावबंधन।। सानंद मनाएं रक्षाबंधन।

उल्लास बहन का देखे भाई। जगमग जगमग हुई कलाई। व्रत आजीवन बहन रक्षा का। मौन विश्वास दिलाता भाई।। सानंद मनाएं रक्षाबंधन।

प्रीत के धागे रक्षाबंधन। स्नेह का सागर रक्षाबंधन। अद्भुत पर्व ये रक्षाबंधन। सानंद मनाएं रक्षाबंधन।। सानंद मनाएं रक्षाबंधन।।

त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है नारियल का पानी

नारियल के पानी में विभिन्न पोषक तत्व होते हैं। जो आपकी सेहत के साथ आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। यह आपकी त्वचा से संबंधित विभिन्न समस्याओं को दूर करता है। शरीर को हाइड्रेट रखता है। इसका सेवन करने से शरीर में कभी पानी की कमी भी नहीं होती है।

दरअसल, नारियल का पानी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व होते हैं। जो आपके बालों, आपकी त्वचा और आपके शरीर को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। आइए जानते हैं नारियल का पानी किस प्रकार से आपको फायदा पहुंचाता है।

ड्राई स्किन के लिए फायदेमंद

अगर आपकी ड्राई स्किन है। तो आप नारियल के पानी का इस्तेमाल करें। इससे आपके शरीर को पर्याप्त नमी मिलेगी। जिससे आपकी त्वचा भी मुलायम और साफ होगी। आप नारियल पानी और गुलाब जल मिलाकर एक बोतल में रख सकते हैं।जिसका इस्तेमाल फेशियल मिस्ट के रूप में किया जा सकता है।

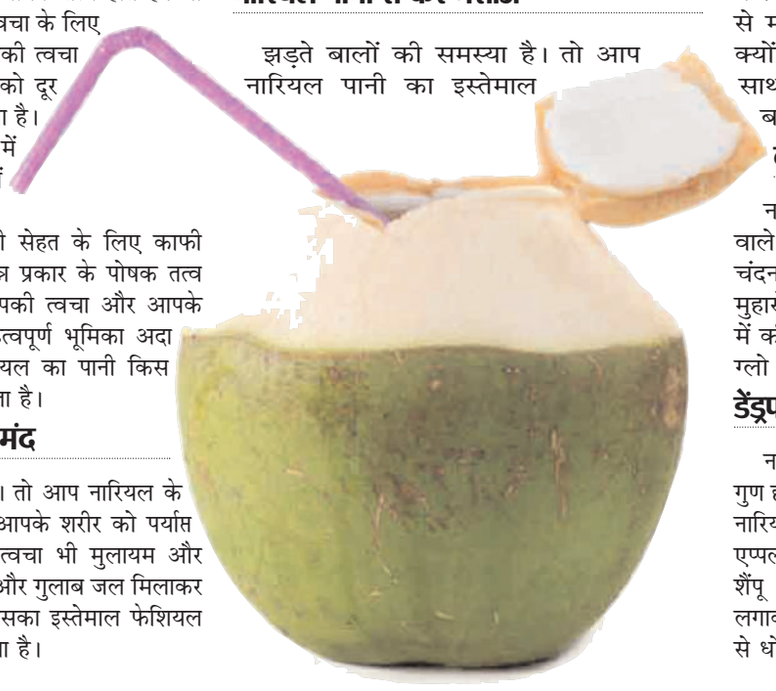

नारियल पानी से करें मसाज

झड़ते बालों की समस्या है। तो आप नारियल पानी का इस्तेमाल करें। आप बालों की जड़ों में नारियल का पानी से मसाज करें और फिर शैंपू से धो सकते हैं। क्योंकि नारियल पानी चिपचिपा नहीं होता है। साथ ही बालों को मुलायम स्मूथ और शाइनी बनाता है।

कील मुंहासे करेगा दूर

नारियल का पानी आपके चेहरे पर नजर आने वाले कील मुंहासे भी दूर कर देता है। आप हल्दी चंदन और नारियल का तेल और पानी मिलाकर इसे मुहासे वाली जगह पर लगाएं। इससे कुछ ही सप्ताह में कील मुंहासे दूर हो जाएंगे और आपका चेहरा भी ग्लो करने लगेगा।

डैंड्रफ से मिलेगी निजात

नारियल के पानी में एंटीफंगल और एंटीबैक्टीरियल गुण होता है। अगर आपको डैंड्रफ की समस्या है। तो आप नारियल पानी को बालों की जड़ों में लगाएं। इसमें आप एप्पल साइडर विनेगर भी मिला सकते हैं। इस मिश्रण को शैंपू और कंडीशनर लगाने के बाद बालों की जड़ों में लगाकर करीब 1 मिनट तक लगा रहने दें। फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे डैंड्रफ बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा।

समय से पहले बालों में आने लगी है सफेदी, तो अपनाएं यह घरेलू उपाय

शरीर में पोषण की कमी, अत्यधिक तनाव सहित अन्य कारणों से आपके बाल समय से पहले सफेद होने लगते हैं। अगर आप भी इस प्रकार की समस्या से जूझ रहे हैं। तो कुछ घरेलू उपाय के माध्यम से इस समस्या से निजात पा सकते हैं। बालों को झड़ने से बचाने, समय से पहले सफेद होने से रोकने, रूखे और बेजान बालों को शाइनी और मजबूत बनाने के लिए आप यह घरेलू उपाय अपनाएं।

नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप रोज सोने से पहले अपने बालों में नारियल के तेल से मसाज करें। इसके बाद सुबह उठकर सिर को धो लें। इस उपाय से आपके सफेद बालों की समस्या धीरे-धीरे खत्म हो जाएगी और आपके बाल भी प्राकृतिक काले नजर आएंगे।

शहद और अदरक

अपने बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए आप एक चम्मच शहद में एक चम्मच अदरक को मिलाकर खाएं। इसका सेवन रोजाना करने से आपको बहुत फायदा होगा।

आंवला का सेवन करें

आंवला आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आप आधा लीटर पानी में दो चम्मच आंवला पाउडर और दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसे अच्छे से मिलाकर शैंपू की तरह उपयोग करें। इससे आपके बाल मजबूत और शायनी भी होंगे और बालों को पर्याप्त पोषक तत्व मिलने से वह सफेद होने से रुकेंगे।

आम का उपयोग

आम भी बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आम खाने से हमारा तनाव भी दूर होता है और इसका हेयर पैक भी आप उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दो कच्चे आम, आम की कुछ पत्तियां और हेयर आयल लें। इन्हें अच्छे से मिक्स कर लें और अपने नहाने से करीब आधा घण्टा पहले लगाएं।

प्याज का हेयर मास्क

बालों को मजबूत घने और झड़ने से बचाने के लिए प्याज बहुत फायदेमंद होता है। आप एक प्याज की पीसकर बालों में लगाएं या प्याज का रस निकालकर अपने बालों पर स्प्रे कर सकते हैं।जिससे आपके बालों की ग्रोथ बढ़ेगी और वे काले होंगे।

गाजर

गाजर का उपयोग बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए आप कुछ

बेमौसम के फल और सब्जियां कर सकते हैं बीमार

बीना मौसम का खानपान आजकल फैशन का रूप लेता जा रहा है। सर्दी में तरबूज और गर्मी में अमरूद आपको बाजार में नजर आ जाएंगे। लेकिन यह फैशन कई बीमारियों को भी अपने साथ लेकर आ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार सीजन के अनुसार खानपान ही आपको अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती दे सकता है।

बेमौसम फल-सब्जी यानी केमिकल्स का सेवन

बिना मौसम के बाजार में बिकने को आ रही फल-सब्जियों को रसायनों का इस्तेमाल कर पकाया जाता है। इसके अलावा इन्हें ताजा रखने और दिखाने के लिए इन पर मोम और केमिकल्स की पॉलिश भी की जाती है। जोधपुर के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक सिंह राठौड़ बताते हैं कि फलों पर पॉलिशिंग करने का सिलसिला काफी समय से चल रहा है। इनके सेवन से पीलिया या आंत्रशोथ जैसी बीमारियों का खतरा मंडराया रहता है।

जानकारों के मुताबिक कुछ सब्जियों और फलों खासकर कद्दूवर्गीय (कद्दू, लौकी, तरोई, खीरा, ककड़ी आदि) और कड़वे स्वाद वाली सब्जियों, करेला छोडक़र, स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है, लेकिन इनमें थोड़ी मात्रा टॉक्सिन की भी होती है। रसायनों के इस्तेमाल से टॉक्सिन की यह मात्रा कई गुणा तक बढ़ जाती है। ऐसे में यह जानलेवा भी हो सकती है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक टॉक्सिन एक तरह का प्रोटीन होता है, जो किसी भी जीवित चीज में पाया जाता है। टॉक्सिन जहरीला होता है। इसकी संतुलित मात्रा से कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि शरीर में पाए जाने वाले बैक्टीरिया का मुकाबला करने में भी यह सहायक होता है। लेकिन टॉक्सिन की ज्यादा मात्रा से इंसान की मौत भी हो सकती है।

शरीर के लिए हो सकते हैं घातक

बे मौसम फल और सब्जियों का उत्पादन करते समय डीडीटीए बीएचसी समेत अनेक रासायनिक कीटनाशकों का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है। जिससे फल-सब्जी में जेनेटिक डिसऑर्डर, हार्मोनल चेंज, असामान्य विकास के अलावा फल और सब्जी के रंग-गंध व स्वाद में बदलाव आ जाता है। इससे कैंसर जैसी भयावह बीमारियां होने का भी खतरा बढ़ जाता है। सालभर मुहैया करवाने के लिए फलों- सब्जियों को कोल्ड स्टोरेज में रखा जाता है। ये फल लम्बे समय तक ताजा जरूर दिखाई देते हैं, लेकिन फ्रीजर में प्रयुक्त फ्रिऑन (क्लोरोफ्लोरो कार्बन) व अन्य रासायनिक पदार्थ इन्हें बीमारी का घर बना देते हैं।

फल-सब्जियां खाएं लेकिन संभलकर

फल-सब्जियों को धोकर ही इस्तेलाल करना चाहिए। इससे इन पर जमी केमिकल्स की परत साफ हो जाती है। इसके अलावा टॉक्सिन का प्रभाव भी कम होता है। आमतौर पर लोगों की धारणा यह रहती है कि फलों के छिलके में ही स्वास्थ्यवर्द्धक तत्व होते हैं। ऐसे में छिलका नहीं निकालना चाहिए, लेकिन खान-पान की समझ रखने वाली मृदुला विनीत सनाढ्य का मानना है कि सेब, नाशपाती जैसे फलों को छीलकर ही खाना चाहिए वरना अल्सर या पाचन संबंधी कई बीमारियों के चपेट में आ सकते हैं। डिब्बाबंद ज्यूस और खाद्य सामग्री को लेकर भी वे ऐसी ही राय रखती है। इनमें मिलाए जाने वाले पिजर्वेटिव्स कई बार एलर्जिक और नुकसानदायी हो सकते हैं। बकौल मृदुला- हर मौसम के फल की तासीर और गुण अलग-अलग होते हैं। 'क्रॉस-सीजन फूड' ऋतुजनित समस्याओं को बढ़ा देता है। प्रिजर्व्ड और फ्रोजन फूड में पोषक तत्वों की भी कमी हो जाती है। इसमें स्वाद तो हो सकता है, लेकिन सेहत के लिए इन्हें अच्छा नहीं कहा जा सकता। फ्रीजिंग प्रोसेस में फूड की न्यूट्रिशंस वैल्यू बहुत कम हो जाती है। विटामिन बी और विटामिन सी तो तकरीबन खत्म ही हो जाते हैं। फ्रोजन फूड में विटामिन सी तकरीबन 50 फीसदी तक समाप्त हो जाता है।

मूंग दाल के फायदे जानकर रह जाएंगे दंग

साधारण सी लगने वाली मूंग दाल कई गुणों की खान मानी गई है। इसके अनेक फायदे हैं जिन्हें जानकर हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

भारतीय भोजन विविधता से भरपूर और कई तत्वों का मिश्रण माना जाता है। इसमें प्रयोग होने वाला हर मसाला, सब्जियां तथा दालें अपने-अपने गुणों के कारण एक अलग महत्व रखते हैं। दालों को हमारे भोजन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग माना गया है। इनमे प्रोटीन तथा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। साथ ही दालों की एक अहम विशेषता यह भी है कि पकने के बाद भी इनके पौष्टिक तत्व नष्ट नहीं होते हैं। चिकित्सक भी यह सलाह देते हैं कि प्रतिदिन एक कप दाल का सेवन करने से आयरन की आवश्यक मात्रा की पूर्ति हो जाती है। हालांकि दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग में प्रचुरता में पौटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा होती है। इसके अलावा मूंग की दाल में काफी मात्रा में विटामिन ए, बी, सी और ई भी पाए जाते हैं। मूंग की दाल खाने से हमारे शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। यदि हम अंकुरित मूंग दाल खाते हैं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम वसा ही पहुंचता है। मूंग दाल साबुत हो या धुली पोषक तत्वों की धनि होती है। तथा अंकुरित होने के बाद तो मूंग दाल में मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा और भी बढ़ जाती है। मूंग दाल को प्रोटीन का भी बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। इसके अतिरिक्त मूंग दाल के कुछ अन्य फायदे निम्न प्रकार हैं-

1. अगर किसी व्यक्ति को कब्ज की समस्या रहती है तो मूंग की छिलके वाली दाल का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। मूंग दाल की खिचड़ी खाने से पेट साफ होने में मदद मिलती है।

2. पाचन क्रिया को भी बेहतर बनाने और पेट की गर्मी को शांत करने में भी मूंग दाल को उत्तम आहार माना जाता है।

3. अगर आपको बहुत अधिक पसीना आता है तो मूंग को हल्का गर्म करके पीस लें और फिर इस पाउडर में कुछ मात्रा पानी की मिलाकर तैयार लेप को पूरे शरीर पर लगा लें।

4. टाइफाइड के रोगी को भी सादा मूंग दाल बहुत राहत देती है।

5. मूंग दाल के छिलके सहित पीसकर दाद, खाज-खुजली से प्रभावित क्षेत्र पर लगाने पर काफी आराम मिलता है।

6. मूंग दाल के लड्डू बनाकर खाने से भी शारीरिक शक्ति में वृद्धि होती है।

बाजरा का सेवन कोलेस्ट्रॉल, मोटापा और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है

बाजरा सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसमें प्रचुर मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है,जो शरीर में शुगर की मात्रा को कम करने में मदद करता है। इसके साथ ही ये बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी लाभदायक होता है।

बाजरा जो कि खाने के उपयोग में तो आता ही है इसके साथ ही साथ इसका आयुर्वेदिक औषिधि के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। एक रिसर्च के अनुसार ये पता चला है कि बाजरे के रोजाना सेवन से कोलेस्ट्रॉल, मोटापा और हृदय रोग जैसी बीमारी दूर रहती है। इसलिए अपने डेली के डाइट में बाजरा को जरूर शामिल करना चाहिए। बाजरा में अनेक प्रकार के एंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो बॉडी को फिट रखने में सहायता करते हैं। ये हमारे मेटाबॉयलिज्म को बेहतर कर देता है जिससे दिल की गंभीर बीमारी होने का खतरा कम हो जाता है। इसके आलावा ये पेट के लिए भी फायदेमंद साबित होता है। और इसका सेवन मोटापे को बढ़ने से भी रोकता है।

आइए जानते हैं बाजरे का किस प्रकार सेवन करा जा सकता है: बाजरे की रोटी या डोसा- गेंहू के आटे की रोटी तो हम सभी खाते हैं पर क्या आपको पता है कि आप बाजरे का उपयोग भी कर सकते हैं। ये गेंहू के आटे से ज्यादा फायदेमंद होती है। और ये अन्य रोटी के मुकाबले जल्दी डाइजेस्ट हो जाती है। बहुत से लोगों को रोटी नहीं पसंद होती है तो आप इसका डोसा भी बना सकते हैं। इसमें मैग्नीशियम की प्रचुर मात्रा होने के कारण, ये शुगर को कंट्रोल में रखता है। इसलिए बाजरे का सेवन किसी न किसी प्रकार से करते रहना चाहिए।

बाजरे की खिचड़ी

अधिकतर लोग खिचड़ी खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि उसका स्वाद उनको नहीं भाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि खिचड़ी पेट के साथ-साथ मोटापा कम करने के लिए अच्छी मानी जाती है। बाजरे की खिचड़ी भी आप बना के खा सकते हैं। इसमें अपने मन-पसंद के कुछ सब्जियां मिला कर इसकी पतली सी खिचड़ी तैयार कर लें। और फिर देखें आपको रोजाना खिचड़ी खाने की इच्छा जरूर होगी।

बाजरे से बनी मिठाई

यदि आपको मीठा खाना बहुत पसंद है लेकिन कहीं आपको नुकसान न कर जाए इस डर से आप मीठा नहीं खा पाते हैं तो बाजरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी बर्फी या लड्डू बना कर सेवन करा जा सकता है। इसके लिए आप गेहूं के आता और बाजरे को बराबर मात्रा में मिक्स करें उनमें कुछ ड्राई फ्रूट्स भी डाल सकते हैं। इसके बाद इनके लड्डू या बर्फी के रूप में सेवन कर सकते हैं।

क्या बैक्टीरिया से ज्यादा खतरनाक है एंटीबैक्टीरियल्स

विज्ञापनों के जरिए चलाए जा रहे अभियानों और मीडिया सालों से हमें इस बात पर आगाह करता आ रहा है कि हमारे घर, शरीर और दफ्तर लाखों-करोड़ों रोगाणुओं का घर बन चुके हैं इसलिए हमें अपनी सुरक्षा के लिए एंटीबैक्टीरिया केमिकल्स का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। नए अध्ययन में सामने आया है कि साबुन, शैम्पू, कॉस्मेटिक्स, कुकवेयर, योगा मैट्स, माउथ वॉश, और टूथपेस्ट में भी हानिकारक कैमिकल्स होते हैं जो सेहत के लिहाज से हमारे लिए सुरक्षित नहीं हैं। जानवरों में इनका परीक्षण करने पर उनमें आंतों में सूजन, ब्रहदान्त्र कैंसर और हार्मोंस के प्रभावित होने जैसे लक्षण सामने आए हैं। इससे पार पाने का केवल एक ही तर्कसंगत रास्ता है और वो है कि हम इस समस्या को एक ही नजरिए से देखें और इसके अच्छे-बुरे प्रभाव के बारे में सोचें। मीडिया की खबरों में इस तरह की रिपोर्ट्स कम ही प्रकाशित की जाती हैं। लोगों को जागरूक करने की बजाय बाजार की प्रतिस्पर्धा में टीवी चैनल और एडवरटाइजिंग एजेंसी विभिन्न ब्राण्ड्स की पब्लिसिटी करने में लग जाती हैं।

रोगाणुओं से ज्यादा प्रतिरोधक क्षमता जिम्मेदार

सौंदर्य प्रसाधनों में मिलाया जाने वाला ट्राइक्लोसन नामक रसायन भले ही हमारे शरीर के रोगाणुओं को नष्ट करता है लेकिन ये भी सच है कि केवल रोगाणुओं के सीधे संपर्क में आने भर से कोई व्यक्ति बीमार नहीं हो सकता। क्योंकि अगर ऐसा न होता तो इस केमिकल का उपयोग करने वाले लोग शायद कभी बीमार ही नहीं पड़ते। किसी व्यक्ति के बीमार पडने में रोगाणुओं से ज्यादा उसकी क्षीण रोग प्रतिरोधक क्षमता और आवासीय स्थान का प्रदूषित या संक्रमित होना। रोगाणुओं को जहां पहले केवल बीमारी का वाहक माना जाता था वहीं अब नए शोधें से पता चला है कि हमारे शरीर, त्वचा, आंत और ऐसे ही दूसरे हिस्सों में कुछ बेहद खतरनाक तो कुछ लाभकारी बैक्टीरिया भी पाए जाते हैं। शोध में सामने आया है कि ट्राइक्लोसन का ज्यादा इस्तेमाल लाभकारी बैक्टीरिया को नष्ट कर देता है। इसी श्रेणी में दूसरा खतरनाक केमिकल है नॉन-स्टिकी कोटिंग मटीरियल जो अब बहुत ज्यादा पॉप्यूलर हो गया है। लोगों में यह भ्रम घर कर गया है कि टेफलॉन परत वाले नॉन-स्टिकी बर्तन लोगों को फैट से बचाते हैं। साइंस मैग्जीन ने इस सप्ताह खबर दी है कि कांग्रेस ट्रंप प्रशासन पर इस बात का दबाव बना रहे हैं कि वो उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करें जिसमें खुलासा किया गया है कि किस तरह नॉन-स्टिक कोटिंग, जल प्रतिरोधक एवं दाग रहित परत बनाने में दूषित पानी के साथ पोलीलूरोल्की सब्स्टांस का उपयोग किया जाता है। इन्हीं से फर्नीचर, कारपेट और कपड़े भी बनते हैं।

कोरोना देश में: बीते दिन 31023 नए केस मिले और 401 की मौत हुई

एक्टिव केस में करीब 8 हजार की कमी आई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में शनिवार को 31,023 कोरोना केस मिले और 38,577 लोग ठीक हुए। लगातार दूसरे दिन ठीक होने वालों की संख्या नए मरीजों से ज्यादा है। इसके अलावा 401 मरीजों की मौत भी हुई। अब तक 3.16 करोड़ लोग रिकवर हो चुके हैं। बीते 24 घंटे में एक्टिव केस में 7,960 की कमी आई है। फिलहाल 3.47 लाख सक्रिय मामले हैं। वहीं, केरल में चार दिन बाद 20 हजार से कम केस आए हैं। साथ ही ठीक होने वालों की संख्या भी बढ़ी है। कल राज्य में 20,846 लोगों ने बीमारी को मात दी।

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

1. केरल

यहां शनिवार को 17,106 लोग संक्रमित पाए गए। 20,846 लोग ठीक हुए और 83 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 38.03 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 36.05 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 19,428 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 1.78 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

2. महाराष्ट्र

यहां शनिवार को 4,575 लोग संक्रमित मिले। 5,914 लोग ठीक हुए और 145 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 64.20 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 62.27 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.35 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 53,967 मरीजों का इलाज चल रहा है।

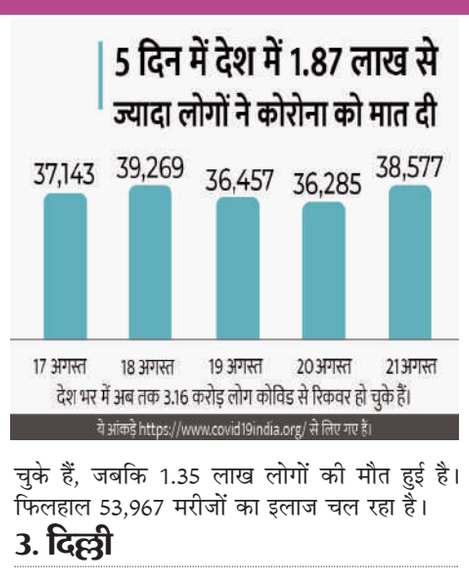

3. दिल्ली

दिल्ली में शनिवार को 19 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इस दौरान 48 लोग ठीक हुए। यहां अब तक 14.37 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 14.11 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 25,079 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 430 मरीजों का इलाज चल रहा है।

4. उत्तर प्रदेश

यहां शनिवार को 24 लोग संक्रमित पाए गए। इस दौरान 24 लोग ठीक हुए, जबकि 1 मरीज की जान गई। अब तक राज्य में 17.09 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 16.85 लाख ठीक हो चुके हैं, जबकि 22,792 मरीजों ने दम तोड़ दिया। यहां 407 मरीजों का इलाज चल रहा है।

5. गुजरात

यहां शनिवार को 15 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 16 मरीज ठीक हुए और एक की मौत हुई। यहां अब तक करीब 8.25 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 8.15 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 10,079 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 184 संक्रमितों का इलाज चल रहा है।

6. मध्यप्रदेश

यहां शनिवार को 7 नए मामले सामने आए और 14 मरीज ठीक हुए। अब तक राज्य में 7.92 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 7.81 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 10,515 लोगों की मौत हो गई। 88 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है।

7. राजस्थान

यहां शनिवार को 23 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। इस दौरान 11 मरीज ठीक हुए। अब तक राज्य में 9.54 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 9.44 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 8,954 मरीजों की मौत हो चुकी है। फिलहाल 167 मरीजों का इलाज चल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

असमः बैंक में डकैती डालने जा रहे थे बदमाश, पुलिस ने 3 को मार गिराया

गुवाहाटी। असम के कोकराझाड़ जिले में बैंक लूटने जा रहे 3 संदिग्ध डकैतों को पुलिस ने मार गिराया। डीजीपी भास्करज्योति महंत ने बताया कि मुठभेड़ शनिवार रात चेंगमारी में भोटगांव के पास हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से घेरे जाने पर उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी थी, जवाबी कार्रवाई में तीनों डकैत घायल हो गए, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। महंत ने बताया कि बाकी डकैतों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा। राज्य के पुलिस प्रमुख ने कहा कि मारे गए बदमाशों के कब्जे से गाड़ियां, टूल्स, गैस कटर दो पिस्टर और ऑक्सीजन सिलेंडर मिले हैं। बैंक डकैती रोकने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पुलिस के काम की तारीफ की है। मुख्यमंत्री ने कहा, डकैतों के एक गैंग को असम पुलिस की ओर से कोकराझाड़ में मार गिराया गया। इससे एक बड़ी बैंक डकैती टल गई। राज्य के अलग-अलग हिस्सों से तालिबान का समर्थन करने वाले 15 लोगों के पकड़े जाने को लेकर भी उन्होंने पुलिस की सराहना की।

श्रीलंकाई नौसेना ने फिर बरसाए भारतीय मछुआरों पर पत्थर, 60 नौकाएं क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली। मत्स्य पालन विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कथित तौर पर पथराव में करीब 60 भारतीय मछली पकड़ने वाली नौकाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसैनिकों ने 25 नौवों में मछली पकड़ने के जाल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वे लोग कल देर रात कच्चातीवू के पास मछली पकड़ने पहुंचे थे जहां ये पथराव हुआ। अधिकारियों ने मछुआरों के हवाले से कहा कि नौसेना के जवान करीब पांच जहाजों में आए और भारतीय नौकाओं पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। हालांकि, इस घटना में कोई मछुआरा घायल नहीं हुआ। मछुआरा संघ के प्रतिनिधि एस एमेरिट ने कहा कि शनिवार रात करीब 556 नौकाओं को समुद्र में उतारा गया। इसके बाद उनमें से कुछ को श्रीलंकाई नौसेना ने निशाना बनाया गया। उन्होंने इस तरह की बार-बार होने वाली घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इस मुद्दे का समाधान निकालने और उनकी आजीविका सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से हस्तक्षेप करने की मांग की। मामले में मत्स्य पालन के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की गई है।

लद्दाख में बाढ़: कुछ दिन पहले बनी कृत्रिम झील फटने से गांवों में घुसा पानी, फसलें तबाह

लेह। लद्दाख के पहाड़ी क्षेत्र लद्दाख में रविवार को बाढ़ के हालात बन गए। केंद्र शासित प्रदेश के रम्बक गांव के करीब कुछ दिन पहले एक कृत्रिम झील बन गई थी। यह झील अचानक फट गई। जिसके बाद ढेर सारा मलबा नदी में जा गिरा और नदी का रास्ता रुक गया। नदी का रास्ता रुकने के बाद पानी गांवों में घुस गया और लोगों की फसलें तबाह हो गईं। बाढ़ ने जांस्कार नदी पर बने पुल को भी नुकसान पहुंचाया है। स्थानीय प्रशासन ने पहले ही झील फटने का अलर्ट जारी कर दिया था।

रेस्क्यू टीम तैनात

डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के CEO सोनम चोसोर ने बताया कि गांव के आस-पास के इलाके की बड़ी संख्या में फसलें बर्बाद हुई हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद है। घटना में किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचा है।

अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश थे: DDMA ने शनिवार को सिंधु नदी में बाढ़ को लेकर अलर्ट जारी किया था। इसमें NHPC नेमो बास्गो प्रोजेक्ट के चीफ इंजिनियर, लीकर और खल्सी के स्ठरू समेत लद्दाख डिजास्टर रिस्पांस फोर्स को अलर्ट जारी किया गया था। सीनियर अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। निमू इलाके के पास की आबादी को भी बाढ़ के खतरे को लेकर आगाह किया गया था। बाढ़ की वजह से रम्बक, जिंगचेन, युरुसे और रमचंग को जोड़ने वाली सड़क मेन रोड से कट गई हैं। जांस्कार नदी सिंधु नदी की एक सहायक नदी है और दोनों एक-दूसरे से लद्दाख की निमू घाटी में मिलती हैं।

यूएस आर्मी की मॉडर्न यूनिफॉर्म में नजर आए लड़ाके, ये काबुल की हिफाजत करने वाली स्पेशल बादरी बटालियनः तालिबान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

बादरी बटालियन के कमांडो की काबुल में तैनाती बेहद खास मकसद से हुई है, ताकि अफगान सेना किसी भी कीमत पर राष्ट्रपति भवन पर कब्जा ना कर सकें। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान प्रोपेगेंडा फैलाने में लग गया है। इसी सिलसिले में उन्होंने एक प्रोपेगेंडा वीडियो जारी किया है, जिसमें उसके लड़ाके चुराई गई स्र मिलिट्री यूनिफॉर्म और अमेरिकी हथियारों से लैस नजर आ रहे हैं। तालिबानियों के प्रोपेगेंडा चैनलों पर वीडियो को अपलोड किया गया है। इसमें कहा गया है कि बादरी 313 की तैनाती काबुल की अलग-अलग लोकेशन्स पर की गई है। तालिबानियों की कोशिश है कि अफगानिस्तान पर कब्जे को लंबे समय तक बरकरार रखा जाए। तालिबानी लड़ाके राजधानी काबुल समेत देश के अलग-अलग हिस्सों तैनात हैं। अफगान और अमेरिकी सेनाओं से खतरे को देखते हुए तालिबान ने बादरी 313 बटालियन बनाई है।

काबुल में प्रेसिडेंशियल पैलेस पर तैनात बादरी 313 बटालियनः इस स्पेशल कमांडो-स्टाइल यूनिट को काबुल में प्रेसिडेंशियल पैलेस पर तैनात किया गया है। साथ ही तालिबान के सीनियर लीडर मुल्ला अब्दुल गनी बरादर, हिबतुल्लाह अखुंदजादा समेत दूसरे बड़े नेताओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी इन्हीं पर है।

पूरी तरह से ट्रेंड और अमेरिकी हथियारों से लैस कमांडो

तालिबान बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया के जरिए इन कमांडो का प्रचार कर रहा है। इसके बारे में कहा जा रहा है कि ये पूरी तरह से ट्रेंड और अमेरिकी हथियारों से लैस हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि बादरी बटालियन के पास बेहद घातक अमेरिकी रू-4 राइफल, बॉडी आर्मर, नाइट विजन डिवाइस, बुलेट प्रूफ जैकेट और हथियारों से लैस हम्वी गाड़ी है।

तालिबान के आम लड़ाकों और बादरी यूनिट में फर्क

बादरी बटालियन के कमांडो रू-4 राइफल का इस्तेमाल करते हैं, जबकि दूसरे लड़ाकों के पास च-47 है। तालिबानी लड़ाके पगड़ी पहने हुए दिखाई देते हैं, जबकि ये कमांडो हेल्मेट और काले चश्मे में नजर आ रहे हैं। इन्होंने कुर्ता-पजामा नहीं, बल्कि वर्दी पहनी हुई है। इन्हें देखकर यह समझ पाना मुश्किल है कि ये तालिबानी हैं या किसी देश की सेना के कमांडो।

इन कमांडों को तैयार करने में पाकिस्तानी आर्मी ने मदद की

रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान की कमांडो यूनिट का नाम बद्र की लड़ाई के नाम पर रखा गया है, जिसका जिक्र पवित्र कुरान में है। बद्र युद्ध में पैगंबर मोहम्मद साहब ने 1400 साल पहले केवल 313 लड़ाकों की मदद से दुश्मन की सेना को मात दी थी। बताया जाता है कि इन कमांडों को तैयार करने में पाकिस्तानी आर्मी ने तालिबान की मदद की है।

पड़ोसी देश में सिख और हिंदुओं से जैसा बर्ताव हो रहा, उससे पता चलता है कि CAA लागू करना क्यों जरूरी हैः हरदीप सिंह

एयरफोर्स के विमान से आए 168 लोगों में अफगानी सांसद नरेंदर सिंह खालसा, अनारकली होनरयार और इनके परिवार भी शामिल हैं। रविवार को भारत पहुंचने पर नरेंदर सिंह खालसा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि 20 साल में जो कुछ बनाया था, सब खत्म हो गया। वहीं एक अफगानी महिला ने कहा कि अफगानिस्तान में हालात बेहद खराब हैं, तालिबानों ने हमारा घर जला दिया।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम और गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अफगानिस्तान संकट का जिक्र कर सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट को जरूरी बताया है। पुरी ने ट्वीट करके कहा कि पड़ोसी देश में सिख और हिंदुओं के साथ जैसा बर्ताव हो रहा है, उससे पता चलता है कि देश में CAA लागू करना क्यों जरूरी है। दिसंबर 2019 में CAA के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए थे। इस पर पुरी ने कहा था कि CAA से देश की धर्मनिरपेक्ष साख पर कोई असर नहीं होगा। साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों पर नए कानून के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया था। पुरी ने ट्वीट कर कहा कि विपक्षी दल संशोधित कानून का इस्तेमाल कर सरकार विरोधी अभियान चला रहे हैं, जिसमें गलत जानकारी फैलाना, भारत के हितों का विरोध करने वाली ताकतों को एकजुट करना और हिंसा भड़काना शामिल है।

काबुल से भारतीयों को निकालने का सिलसिला जारी: वहीं, काबुल से भारतीयों के निकलने का सिलसिला जारी है। रविवार को तीन विमानों से 390 लोग भारत लौटे, इनमें 329 भारतीय हैं। एयरफोर्स के ष्ट-17 एयरक्राफ्ट से 168 लोगों की वापसी हुई, इनमें 107 भारतीय और 23 अफगानी सिख और हिंदू शामिल हैं। इससे पहले एयर इंडिया के विमान से 87 भारतीयों और 2 नेपालियों को भारत लाया गया था। इसके अलावा एक दूसरी फ्लाइट से 135 लोगों की वापसी हुई है।

भारत पहुंचकर भावुक हुए अफगानी सांसद

एयरफोर्स के विमान से आए 168 लोगों में अफगानी सांसद नरेंदर सिंह खालसा, अनारकली होनरयार और इनके परिवार भी शामिल हैं। रविवार को भारत पहुंचने पर नरेंदर सिंह खालसा भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि 20 साल में जो कुछ बनाया था, सब खत्म हो गया। वहीं एक अफगानी महिला ने कहा कि अफगानिस्तान में हालात बेहद खराब हैं, तालिबानों ने हमारा घर जला दिया।

काबुल एयरपोर्ट से हर रोज उड़ सकेंगे भारत के दो विमान

अफगानिस्तान में फंसे भारतीयों के वतन वापसी की राह आसान हो गई है। काबुल एयरपोर्ट से भारत को रोजाना दो विमानों के संचालन की अनुमति मिल चुकी है। अमेरिकी और उत्तरी अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन फोर्स ने इसकी अनुमति शनिवार को दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अब वे जल्द ही सभी भारतीयों को वापस लाएंगे। यहां अभी 300 भारतीयों के फंसे होने की जानकारी है।

CAA कानून क्या है?

पिछले साल देश में ष्ट कानून बना तो देशभर में इसका विरोध हुआ। दिल्ली का शाहीन बाग इलाका इस कानून के विरोध से जुड़े आंदोलन का केंद्र बिंदु था। कानून में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के प्रवासियों के लिए नागरिकता कानून के नियम आसान बनाए गए। इससे पहले नागरिकता के लिए 11 साल भारत में रहना जरूरी था, इस समय को घटाकर 1 से 6 साल कर दिया गया।

दोनों सदनों से इस तरह पास हुआ था बिल

11 दिसंबर 2019 को राज्यसभा में नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 के पक्ष में 125 और खिलाफ में 99 वोट पड़े थे। अगले दिन 12 दिसंबर 2019 को इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। देशभर में भारी विरोध के बीच बिल दोनों सदनों से पास होने के बाद कानून की शक्ल ले चुका था। इसे गृहमंत्री अमित शाह ने 9 दिसंबर को लोकसभा में पेश किया था। कुछ दिनों पहले गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने संसद में कहा कि गृह मंत्रालय को कानून को लागू करने के नियम बनाने के लिए 9 जनवरी 2022 तक का समय चाहिए।

बलूचिस्तान में 3 दिन में दूसरा हमला, पाकिस्तान के साथ चीन की भी बढ़ी टेंशन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में तीन दिन में दूसरा हमला हुआ है। गिचिक इलाके में आतंकवादियों के एक हमले में पाकिस्तानी सेना के एक कप्तान की मौत हो गई है जबकि दो सैनिक घायल हो गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को कहा कि घायल सैनकों को खुजदे में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हमला उस समय हुआ जब सेना का

वाहन आतंकियों की ओर से बिछाए गए आईडी से टकरा गया। आईडी से टकराने के बाद वाहन के परखच्चे उड़ गए। बता दें कि इस सप्ताह की शुरुआत में बलूचिस्तान के अशांत हिस्से में हिंसा में तेजी देखने को मिली है। ग्वादर में एक आत्मघाती हमलावर ने चीनी नागरिकों को ले जा रहे एक वाहन को निशाना बनाकर खुद को उड़ा लिया था। इस हमले में दो बच्चों की मौत हो गई है और एक चीनी नागरिक सहित चार अन्य लोग घायल हो गए थे। बलूचिस्तान में आतंकी हमलों में तेजी की वजह से पाकिस्तान के साथ चीन की भी टेंशन बढ़ गई है। इसकी वजह यह है कि चीन के अरबों डॉलर का प्रॉजेक्ट चाइना पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर यहां से होकर गुजरता है। पाकिस्तान इसे सुरक्षा देने में नाकाम साबित हो रहा है, जिसको लेकर ड्रैगन परेशान है। हाल ही में, इस क्षेत्र में पाकिस्तान सुरक्षा बलों और बलूच विद्रोहियों के बीच लड़ाई तेज हो गई थी। बलूचिस्तान पाकिस्तान का एक सबसे कम विकसित प्रांत है जहां पिछले कई दशकों से आजादी के लिए आंदोलन चल रहा है। कई बलूच लोगों का मानना है कि यह क्षेत्र 1947 से पहले स्वतंत्र था और पाकिस्तान द्वारा जबरन कब्जा कर लिया गया था।

भाजपा नेता कल्याण सिंह के निधन पर कांग्रेस शासित राजस्थान में दो दिन का शोक, 23 को अवकाश

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर राजस्थान सरकार ने भी दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। इसके साथ ही सोमवार 23 जुलाई को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह के सम्मान में पीएसयू सहित राज्य सरकार के सभी दफ्तर बंद रहेंगे। 89 साल की उम्र में कल्याण सिंह का निधन शनिवार की रात लखनऊ में हुआ। वह काफी दिनों से बीमार थे। राम मंदिर आंदोलन के अगुआ और विवादित ढांचा गिराए जाने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले कल्याण सिंह की अंत्येष्टि 23 अगस्त को अलीगढ़ में होगी। राजस्थान सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कल्याण सिंह के प्रति सम्मान जाहिर करने के लिए 23 अगस्त को सभी सरकारी दफ्तार और संस्थान बंद रहेंगे और 22 व 23 अगस्त को राजकीय शोक रहेगा। इससे पहले राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र, विधानसभा अध्यक्ष सी पी जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक जताया है।

न्यूज़ ब्रीफ

इंटर मिलान ने बड़ी जीत से सेरी ए अभियान शुरू किया

मिलान। इंटर मिलान के नए खिलाड़ी हकाना कालाहानोग्लु ने एक गोल करने के अलावा अन्य गोल करने में मदद की जिससे उनकी टीम ने जेनोवा पर 4-0 की बड़ी जीत से इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। कालाहानोग्लु एसी मिलान से इंटर मिलान से जुड़े हैं। उन्होंने मिलान स्क्रीनियर की छठे मिनट में गोल करने में मदद की और इसके बाद 14वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी की। आर्तुरो विडाल ने 74वें मिनट में तीसरा जबकि एडिन जेको ने अंतिम क्षणों में चौथा गोल किया। सेरी ए के अन्य मैचों में लाजियो ने इम्पोली को 3-1 से हराया। इंपोली दूसरी डिवीजन से शीर्ष डिवीजन में पहुंचा है। पिछले तीन सत्र से तीसरे नंबर पर रहने वाले अटलांटा ने दोनों हाफ में गोल करके टोरिनो को 2-1 से पराजित किया। एक अन्य मैच में सासुओलो ने 10 खिलाडियों के साथ खेल रहे हेल्लास वेरोना को 3-2 से हराया। वेरोना के कप्तान मिगुएल वेलोसा को मध्यांतर से ठीक पहले बाहर भेज दिया गया था।

योर्डेनिस उगास से हारे मैनी पैकियाओ

लास वेगास। मैनी पैकियाओ ने अभी भले ही अपने भविष्य का फैसला नहीं किया है लेकिन 8 बार के विश्व चैंपियन को लगता है कि शनिवार की रात को योर्डेनिस उगास के हाथों निराशाजनक हार से उनका 26 साल का पेशेवर करियर लगभग समाप्त हो गया। फिलीपीन्स के सीनेटर पैकियाओ को उगास ने सर्वसम्मत फैसले से हराया। इससे उगास ने अपना डब्ल्यूबीए वेल्टरवेट खिताब भी बरकरार रखा। उगास ने कहा कि वह शानदार प्रतिद्वंद्वी है लेकिन मैं यहां यह दिखाने आया था कि मैं डब्ल्यूबीए का चैम्पियन हूं। उनके लिए मेरे दिल में काफी सम्मान है लेकिन यह मुकाबला मैंने जीता। पैकियाओ ने कहा कि मैंने आज रात अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। कोई बहाना नहीं। मैं खिताब के लिए लड़ रहा था और आज की रात के चैम्पियन का नाम उगास है। निराश दिख रहे पैकियाओ ने कहा कि उन्होंने अभी फैसला नहीं किया है कि वह दोबारा रिंग में उतरेंगे या नहीं। उन्होंने कहा- भविष्य में हो सकता है कि आप मैनी पैकियाओ को फिर से रिंग में लड़ते हुए नहीं देखो। मैं नहीं जानता लेकिन मैंने जो कुछ हासिल किया उससे मैं खुश हूं।

टोक्यो पैरालिंपिक 2020 : कोविड-19 के सख्त नियमों के बीच आयोजित होगा इवेंट

» 136 देश, 3686 एथलीट्स 13 दिनों तक मेडल्स के लिए करेंगे प्रदर्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टोक्यो ओलिंपिक के सफल आयोजन के बाद अब पैरालिंपिक खेलों की शुरुआत होने वाली है। पैरालिंपिक खेलों का आयोजन 24 अगस्त से 5 सितंबर के बीच किया जाएगा। पैरालिंपिक को भी कोरोना की वजह से एक साल के लिए टाल दिया गया था। पैरालिंपिक खेलों में दुनियाभर के पैरा एथलीट यानी दिव्यांग खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। ओलिंपिक खेलों की तरह ही हर चार सालों के बाद इन खेलों का आयोजन कराया जाता है। इस बार टोक्यो में 21 मैदानों पर सभी इवेंट कराए जाएंगे।

कितने देश, कितने खेल, कितने इवेंट्स:- टोक्यो पैरालिंपिक में इस बार कुल 136 देश हिस्सा ले रहे हैं। इनमें दो देश पहली बार पैरलिंपिक खेलों में डेब्यू करते नजर आएंगे। इन दो देशों में भूटान और गुयाना के नाम शामिल हैं। साथ ही रूस आरओसी के रूप में प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा, लेकिन तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान का एक भी एथलीट इस बार पैरालिंपिक खेलों में नजर नहीं आएगा। टोक्यो पैरालिंपिक के दौरान कुल 3686 एथलीट अपने खेलों का जलवा बिखरते हुए नजर आएंगे। 13 दिनों के दौरान 22 खेल खेले जाएंगे और कुल 540 इवेंट होंगे। जबकि अधिकांश खेल ओलिंपिक के समान हैं और प्रतियोगिता में कई संशोधन भी किए गए हैं।

बिना दर्शकों के होगा आयोजन

टोक्यो ओलिंपिक का आयोजन दर्शकों के बिना किया गया था और पैरालिंपिक खेलों का आयोजन भी ठीक ऐसे ही देखने को मिलेगा। ओलिंपिक खेलों के दौरान टोक्यो के बाहरी क्षेत्रों में हुए खेल आयोजनों में कुछ प्रशंसकों को अनुमति दी गई थी, लेकिन इस बार किसी भी खेल के लिए दर्शकों का आने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, कुछ कार्यक्रमों में बच्चों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। यह फैसला पैरालिंपिक समिति के अध्यक्ष एंड्रयू पार्सन्स ने लिया।

इतना ही नहीं आयोजकों ने लोगों से सड़क पर आयोजित होने वाले खेल (मैराथन और पैदल चाल जैसी स्पर्धाएं) को देखने के लिए नहीं आने को कहा है। हाल फिलहाल के समय में टोक्यो में कोरोना के नए मामलों में काफी तेजी देखने को मिली है और इससे खिलाड़ियों के भी संक्रमित होने का खतरा है और इसी को ध्यान में रखते हुए दर्शकों को इस बार मैदान पर आने की अनुमति नहीं मिलेगी।

इन कोरोना प्रोटोकॉल का करना होगा पालनन- कोविड-19 के बीच जापान ने सफलतापूर्वक टोक्यो ओलिंपिक 2020 का आयोजन किया। अब 24 अगस्त से शुरु हो रहे पैरालिंपिक को कोविड-19 प्रोटोकॉल्स के अंतर्गत खेला जाएगा। इसके लिए भी वही प्रोटोकॉल्स रखे गए हैं, जो ओलिंपिक में रखे गए थे। खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ व अधिकारियों को पूरे समय मास्क लगाना होगा। सिर्फ पदक विजेता फोटो खिचांने व प्रदर्शन करने के दौरान मास्क उतार सकते हैं। सभी खिलाड़ी व ऑफिशियल्स को इवेंट के दौरान 3 C को इग्नोर करना है। साथ ही किसी को पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल नहीं करना है, जब तक इस बात की सूचना नहीं दी जाती है। पैरालिंपिक खेलों में अभी तक सबसे ज्यादा मेडल जीतने का रिकॉर्ड यूनाईटेड स्टैट्स (क्र) के नाम पर दर्ज हैं। क्र ने अभी तक इन खेलों में कुल 2175 मेडल जीते हैं। इनमें 772 गोल्ड, 700 सिल्वर और 703 ब्रॉन्ज शामिल हैं। दूसरे स्थान पर ग्रेट ब्रिटेन का नाम आता है।

उन्मुक्त चंद के नक्शे कदम पर चले मिलिंद कुमार

दिल्ली के ऑलराउंडर ने 30 साल की उम्र में किया संन्यास का ऐलान

अब अमेरिका में खेलेंगे क्रिकेट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली के ऑलराउंडर मिलिंद कुमार ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। मिलिंद अब अमेरिका में माइनर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। आईपीएल में भी मिलिंद कुमार दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं।

अमेरिका से करेंगे एक नई शुरुआत:- मिलिंद कुमार भारतीय क्रिकेट से दूरी बनाने के बाद अब अमेरिका में अपने क्रिकेट करियर की एक नई शुरुआत करते नजर आएंगे। अमेरिका की माइनर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में मिलिंद फिलाडेल्फियंस टीम से खेलेंगे।

दो खिलाड़ी पहले ही बन चुके हैं इस लीग का हिस्सा:- वैसे मिलिंद कुमार पहले भारतीय खिलाड़ी नहीं है, जिन्होंने भारत छोड़ अमेरिका का रुख किया है। मिलिंद से पहले दो

खिलाड़ी मनन शर्मा और भारत को 2012 में अंडर-19 वर्ल्ड कप जीताने वाले उन्मुक्त चंद भी अब अमेरिका के लिए खेल रहे हैं।

ऐसा रहा मिलिंद का करियर:- घरेलू क्रिकेट में मिलिंद कुमार दिल्ली, सिक्किम और त्रिपुरा के लिए खेले। 30 साल के खिलाड़ी ने 46 फर्स्ट क्लास मैचों में 46.68 की औसत के साथ 2988 रन बनाए और 33 विकेट लेने में सफल रहे। 65 लिस्ट ए मैचों में उनके बल्ले से 2023 रन देखने को मिले और उनके खाते में 12 विकेट आए। 58 टी-20 मुकाबलों में मिलिंद ने 1176 रन बनाए।

2018-19 की रणजी ट्रॉफी में मिलिंद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। आठ मैचों में उन्होंने सिक्किम के लिए 121 की शानदार औसत के साथ कुल 1331 रन बनाए थे।

BCCI को दी जानकारी

दाएं हाथ के खिलाड़ी ने अपने संन्यास की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को दे दी है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा- हां, मैंने बीसीसीआई को भारत में क्रिकेट से संन्यास लेने के अपने फैसले की जानकारी दे दी है। मुझे विराट कोहली, शिखर धवन और इशांत शर्मा जैसे महान खिलाड़ियों के साथ दिल्ली के लिए खेलने में काफी अच्छा लगा। अब यह आगे बढ़ने का समय है।

आईपीएल फेज-2 में बेन स्टोक्स के खेलने पर संदेह

» दिग्गज ऑलराउंडर ने पिछले महीने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से लिया था ब्रेक, पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है राजस्थान रॉयल्स

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीते दिन राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने UAE में खेले जाने वाले आईपीएल - 2021 के फेज-2 से अपना नाम वापस ले लिया था। टीम के फैंस अभी तक इस झटके से उबर भी नहीं पाए थे कि अब बेन स्टोक्स के भी दूसरे चरण में हिस्सा लेने पर सवालिया निशान खड़े हो गए है।

स्टोक्स के खेलने पर संदेह:- दरअसल, स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के आईपीएल फेज-2 में खेलने पर संदेह है। स्टोक्स ने पिछले महीने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से अनिश्चितकाल के ब्रेक की घोषणा की थी। 30 वर्षीय स्टोक्स ने अपने फैसले की वजह मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना बताया था। आईपीएल-14 के पहले हाफ में बेन स्टोक्स राजस्थान रॉयल्स के लिए उपलब्ध थे, लेकिन टीम के लिए वो सिर्फ एक ही मुकाबला खेल सके। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए इस मैच में स्टोक्स फील्डिंग करते हुए अपनी उंगली चोटिल करा बैठे थे, जिसके चलते उनको कुछ समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा।

इंडोनेशिया के सीन गेलेल, बेल्जियम के स्टॉफ़ेल वांडोर्न और ब्रिटेन के टॉम ब्लोमक्विस्ट द्वारा संचालित जोटा का ओरेका 07 गिब्सन फ्रांस के ले मैन्स में 24 घंटे की ले मैंस धीरज दौड़ से पहले वार्मअप के दौरान पटरी से उतर गया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS
ITDC
ITDC NEWS

जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप का पदकवीर : सिल्वर विजेता अमित को लोग पतलू कहकर चिढ़ाते थे

» पिता ने फिटनेस के लिए रेस वॉक पर भेजा, जो उनका जुनून बन गया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलिंपिक में भारत के 124 साल के ओलिंपिक इतिहास में पहली बार ट्रैक एंड फील्ड में मेडल जीता। नीरज बचपन में काफी मोटे थे और लोग उन्हें मोटू और सरपंच कहकर पुकारते थे। वे पतले होने के लिए पहले जिम गए और बाद में जेवलिन थ्रो करने लगे। वहीं नोरेबा में चल रहे अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शनिवार को रेस वॉक में सिल्वर मेडल

जीतकर इतिहास रचने वाले रोहतक के अमित खत्री की कहानी इसकी उलट है। अमित काफी दुबले-पतले थे। गांव के लड़के कमजोर और पतलू कहकर चिढ़ाते थे। अमित के पापा सुरेश कुमार बीएसएफ में थे। जब भी वे छुट्टियों में घर पर आते, तो लोग उन्हें टोकते कि उनका छोटा बेटा कमजोर है, उन्हें यह अच्छा नहीं लगता था। उन्होंने गांव के ही एक लड़के साथ अमित को रेस वॉक के लिए भेजना शुरू कर दिया, ताकि मेहनत करेगा तो उसे भूख लगेगी। धीरे-धीरे अमित रेस वॉक में ऐसे रम गए कि नेशनल में एक बार गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा और जूनियर के हर रिकॉर्ड को ब्रेक करते चले गए। अमित के पापा सुरेश कहते हैं कि बेटे से गोल्ड मेडल जीतने की उम्मीद थी। उन्होंने दैनिक भास्कर को बताया कि दो बेटे हैं। अमित छोटा है। वह बचपन से ही कमजोर था। उनकी रुचि खाने-पीने की तरफ कम ही थी। अमित के पतले होने की वजह से गांव के लोग उसे कई नामों से पुकारते थे। मैंने गांव के एक लड़के साथ 2013 में रेस वॉक के लिए भेजा, कुछ ही दिनों में अमित ने इसमें अपना करियर बनाने का ठान लिया। 2018 में नेशनल में गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

छोटी उम्र से घर से बाहर रहना पड़ा:- सुरेश कुमार कहते हैं कि अमित छोटी उम्र से ही ट्रेनिंग के लिए घर से बाहर रहने लगे। पहले बहादुरगढ़ फिर पटियाला, जयपुर और उरी तक गए और बाद में आर्मी के इंटरनेशनल एथलीट चंदन सिंह के पास बैंगलुरु में जाकर अभ्यास करने लगे। अमित के कोच और इंटरनेशनल रेस वॉकर चंदन सिंह ने अमित की प्रतिभा को पहचान कर ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

किआ इंडिया का चालू वित्त वर्ष में दो लाख वाहनों की बिक्री का लक्ष्य

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी से पैदा हुई अड़चनों के बावजूद किआ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष में दो लाख वाहनों की बिक्री का लक्ष्य रखा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि महामारी के बीच अब उपभोक्ता निजी या व्यक्तिगत वाहन को प्राथमिकता दे रहे हैं दक्षिण कोरिया की वाहन कंपनी भारतीय बाजार में सेल्टॉस और सोनेट जैसे मॉडलों की बिक्री करती है। इसके अलावा कंपनी की चालू वित्त वर्ष में विभिन्न वैश्विक बाजारों में 50,000 इकाइयों के निर्यात की भी योजना है। पिछले साल कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,55,678 वाहन बेचे थे। वहीं इस दौरान उसका निर्यात 40,440 इकाई का रहा था। किआ इंडिया के उपाध्यक्ष एवं प्रमुख (बिक्री एवं विपणन) हरदीप सिंह बरार ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''हमारी पहली प्राथमिकता आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों से निपटने की है। पहला कदम सामान्य स्थिति में पहुंचना और घरेलू बाजार में दो लाख इकाइयों की बिक्री का लक्ष्य पाना तथा 50,000 इकाइयों का निर्यात करना है। इससे चालू वित्त वर्ष में हम ढाई लाख इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा हासिल कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में कंपनी इस साल या 2022 की शुरुआत तक कुल चार लाख इकाइयों की बिक्री के लक्ष्य को पाना चाहेगी।

सीतारमण आज राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन का शुभारंभ करेंगी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार को राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) का शुभारंभ करेंगी। इसके जरिये अगले चार वर्षों में बेची जाने वाली सरकार की बुनियादी ढांचा संपत्तियों की सूची तैयार की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा, एनएमपी में केंद्र सरकार की पुरानी बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों की चार साल की पाइपलाइन शामिल है। निवेशकों को आगे की दृष्टि प्रदान करने के अलावा, एनएमपी सरकार की संपत्ति के मौद्रिकरण की पहल के लिए मध्यम अवधि की रूपरेखा के रूप में भी काम करेगी। नवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्गों और पावर ग्रिड पाइपलाइनों सहित छह लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा संपत्तियों को अंतिम रूप दे रही है, जिनका मौद्रिकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा था, लगभग 6,000 करोड़ रुपये की एक राष्ट्रीय मौद्रिकरण योजना पर काम चल रहा है, जिसमें पाइपलाइन से लेकर पावर ग्रिड पाइपलाइन और राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर टीओटी (टोल-ऑपरेट-ट्रांसफर) और इसी तरह की कई संपत्तियां होंगी।

इस महीने की शुरुआत में कच्चा तेल 75 डॉलर प्रति बैरल पर था जो अब 65 डॉलर पर आ गया

थोड़ी राहत :128 दिनों बाद 20 पैसे सस्ता हुआ पेट्रोल, दिल्ली में 101.64 रुपए लीटर बिक रहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रक्षाबंधन के मौके पर आज तेल कंपनियों ने आम लोगों को थोड़ी राहत दी है। रविवार को पेट्रोल-डीजल के दामों में कटौती की गई है। आज दिल्ली में पेट्रोल और डीजल 20-20 पैसे सस्ते हुए हैं। यहां पेट्रोल 101.64 और डीजल 89.07 रुपए लीटर बिक रहा है।

इससे पहले 15 अप्रैल को कम हुए थे पेट्रोल के दाम

इससे पहले पेट्रोल के दाम 128 दिन पहले यानी 15 अप्रैल को कम हुए थे। जबकि इसके बाद 40 बार इसके दामों में बढ़ोतरी की गई। डीजल की बात करें तो इस महीने चौथी बार इसकी कीमत में कटौती की गई है।

65 डॉलर पर आया कच्चा तेल

इस महीने की शुरुआत में कच्चा तेल 75 डॉलर प्रति बैरल पर था जो अब 65 डॉलर पर आ गया है। ऐसे में आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल के दामों में और कमी आ सकती है।

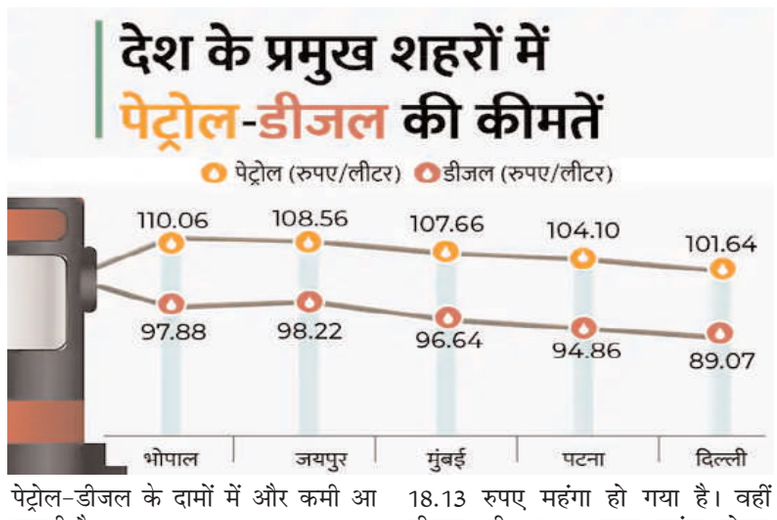

इस साल अब तक 18 रुपए महंगा हुआ पेट्रोल

1 जनवरी को पेट्रोल 83.71 रुपए प्रति लीटर था जो अब 101.64 रुपए पर है। यानी 8 महीने से भी कम समय में ये 18.13 रुपए महंगा हो गया है। वहीं डीजल भी 15.60 रुपए महंगा होकर 89.47 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

बढ़ने लगी है पेट्रोल-डीजल की खपत

लॉकडाउन की सख्ती कम होने से अब देश में पेट्रोल-डीजल की मांग फिर बढ़ने लगी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई 2021 में देश में 23.7 लाख (2.37 मिलियन) टन पेट्रोल की खपत हुई है। ये जुलाई 2020 के मुकाबले 17 फीसदी और जुलाई 2019 की तुलना में 3.56 फीसदी ज्यादा है।
डीजल की बात करें तो जुलाई 2021 में 54.5 (5.45 मिलियन) टन डीजल की खपत हुई। ये जुलाई 2020 के मुकाबले 12.6 फीसदी ज्यादा है। हालांकि कोरोना काल से पहले यानी जुलाई 2019 के मुकाबले ये अब भी 10.9 फीसदी कम है।

रोजाना तय होते हैं पेट्रोल-डीजल के रेट

ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कीमतों की समीक्षा के बाद रोजाना पेट्रोल और डीजल के रेट तय करती हैं। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की दरों में बदलाव करती हैं।

ओडिशा सरकार ने ओआरईडीए से सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन के लिए कदम उठाने को कहा

ओडिशा सरकार ने अपने नवीनकरणीय ऊर्जा विभाग से राज्य में सौर ऊर्जा के घरेलू इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए एक लागत-दक्ष प्रोत्साहन योजना लाने को कहा है। मुख्य सचिव एस सी महापात्र ने ओडिशा की नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (ओआरईडीए) से इस हरित ऊर्जा के निजी इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने की संभावना तलाशने को कहा है। एक वर्चुअल बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि वे सौर आधारित कृषि उपकरणों, वॉटर हीटर, लाइट और हरित ऊर्जा उपकरणों को लोकप्रिय बनाने के लिए काम करें। शनिवार को जारी एक बयान के अनुसार, इस बैठक में शीत भंडारण, पेयजल, मिलेट प्रसंस्करण, रस्सी बनाने आदि के क्षेत्रों में नई सौर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर विचार-विमर्श हुआ।

मेट्रो ब्रांड की आईपीओ लाने की तैयारी

कंपनी ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को दी अर्जी, दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला का भी है निवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एक और कंपनी मार्केट से आईपीओ के जरिए फंड जुटाने की तैयारी में है। फुटवेयर रिटेल कंपनी मेट्रो ब्रांड ने आईपीओ लाने की तैयारी कर ली है। जिसके लिए कंपनी ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को अर्जी दे दी है।

250 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी कंपनी:- DRHP के मुताबिक कंपनी आईपीओ में 250 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा आईपीओ में 2.19 करोड़ इक्विटी शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचे जाएंगे। जिसमें प्रमोटर और मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। कंपनी 10 करोड़ रुपए तक के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर भी विचार कर रही है। यदि प्लेसमेंट पूरा होता है, तो इश्यू का साइज छोटा हो जाएगा।

नए स्टोर खोलने में होगा फंड का इस्तेमाल

कंपनी के मुताबिक कंपनी आईपीओ से जुटाए फंड का इस्तेमाल मेट्रो, मोची, वॉकवे और क्रोक्स ब्रांड के नए स्टोर खोलने में करेगी। इसके अलाव सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी खर्च किया जाएगा। मेट्रो ब्रांड में दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला का भी निवेश है। फुटवेयर कंपनी भारत में प्रीमियम, मिड और सस्ते सेगमेंट के फुटवेयर तैयार करती है।

नए आयकर पोर्टल में दिक्कतें जारीं, वित्त मंत्रालय ने इन्फोसिस के CEO को तलब किया

नई दिल्ली। आयकर विभाग के नए पोर्टल में शुरुआत से ही दिक्कतें आ रही हैं। यह पोर्टल करीब दो माह पहले शुरू हुआ था लेकिन पोर्टल में अब भी समस्याएं आ रही हैं। पोर्टल को आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इन्फोसिस ने बनाया है। अब वित्त मंत्रालय ने इन्फोसिस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलिल पारेख को तलब किया है। मंत्रालय ने पारेख से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष यह स्पष्ट करने को कहा है कि दो महीने बाद भी पोर्टल ठीक से काम क्यों नहीं कर रहा है। यह पोर्टल 21 अगस्त से 'उपलब्ध नहीं'

अधिग्रहण के जरिये नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी गेल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की प्रमुख गैस कंपनी गेल हाइड्रोजन उत्पादन के क्षेत्र में उतरने की तैयारी कर रही है। इसके अलावा कंपनी ने अधिग्रहण के जरिये अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो के विस्तार की घोषणा की है। गेल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनोज जैन ने कहा, ''स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल के तहत गेल उपभोग केंद्रों को गैस स्रोतों से जोड़ने के लिए पाइपलाइन ढांचा लगा रही है। साथ ही कंपनी अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का विस्तार भी कर रही है।'' कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में जैन ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में हाल के वर्षों में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। अब दुनिया एक सतत ऊर्जा भविष्य की ओर रुख कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए स्वच्छ ऊर्जा मिश्रण को पूरा करने के लिए सरकार प्राकृतिक गैस क्षेत्र के विस्तार पर जोर दे रही है, जिससे गैस-आधारित अर्थव्यवस्था को हासिल किया जा सके।

इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा की वृद्धि पर भी जोर दिया जा रहा है। एक प्रमुख एकीकृत ऊर्जा कंपनी के रूप में गेल इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गेल के प्रमुख ने कहा कि कंपनी 6,000 किलोमीटर की पाइपलाइन बिछा रही है। इसमें नागपुर के रास्ते मुंबई से झारसुगुड़ा, ओडिशा की पाइपलाइन शामिल है। अभी गेल का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का नेटवर्क 13,700 किलोमीटर का है।

PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

ज्वैलर्स का विरोध प्रदर्शन : गोल्ड हॉलमार्किंग के खिलाफ 23 अगस्त को ज्वैलर्स करेंगे सांकेतिक हड़ताल

» 350 एसोसिएशन और फेडरेशन के सपोर्ट का दावा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश भर के ज्वैलर्स सोने के गहनों की अनिवार्य हॉलमार्किंग के मनमाने ढंग से लागू के खिलाफ 23 अगस्त को एक दिन के सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे। ऑल इंडिया जेम एंड ज्वैलरी डोमेस्टिक काउंसिल ने 20 अगस्त को इसकी जानकारी दी। काउंसिल के मुताबिक इस हड़ताल को जेम्स एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री से जुड़े सभी चार जोन के 350 एसोसिएशन और फेडरेशन का सपोर्ट मिलेगा।

दो महीने पहले ही गोल्ड ज्वैलरी पर हॉलमार्किंग को अनिवार्य किया गया:- सरकार ने इसे पहले फेज में 16 जून 2021 से देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 256 जिलों में लागू किया है। सोने की हॉलमार्किंग से उसकी शुद्धता का पता चलता है।

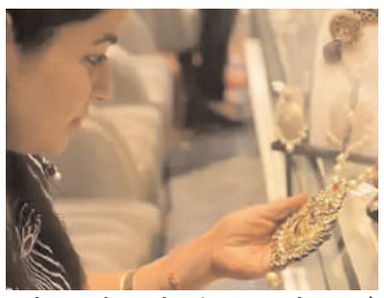

सर्राफा कारोबारियों की सरकार से मांग है कि हॉलमार्क को लागू रखा जाए, लेकिन HUID के नियम को वापस लिया जाए। स्टॉक क्लीयरेंस न होने पर सर्राफा कारोबारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसलिए इस पर तत्काल रोक लगाई जाए। तछ्ष्ट के पूर्व चेयरमैन अशोक मीनावाला ने कहा कि एक दिन का सांकेतिक हड़ताल HUID (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान संख्या) के मनमाने ढंग से लागू करने के खिलाफ हमारा शांतिपूर्ण विरोध है। यह कानून अव्यावहारिक और असंभव है। मीनावाला, सरकार द्वारा नियुक्त समितियों में ज्वैलर्स की प्रतिनिधि और दानाभाई ज्वैलर्स ग्रुप की डायरेक्टर है।

GJC की मुख्य बातें...

- ज्वैलर्स नए HUID को स्वीकार नहीं कर सकते, क्योंकि इसका सोने की शुद्धता से कोई लेना-देना नही,
- मौजूदा समय में नए HUID प्रणाली उत्पादों की हॉलमार्किंग में लगभग 5 से 10 दिन का समय ले रहे,
- ज्वैलरी का निर्माण/हॉलमार्किंग नहीं करने वाले/ व्यापारी की तरह बेचने वाले ज्वैलर्स पर दंड के डर से कारोबार बंद होने की आशंका
- इंडस्ट्री द्वारा लगातार डिमांड करने के बावजूद BIS एक्ट तैयार करते समय नीति आयोग की रिपोर्ट में इस ओर ध्यान नहीं दिया गया

सबसे पहले समझें हॉलमार्किंग क्या है? हॉलमार्क सरकारी गारंटी होती है। हॉलमार्क भारत की एकमात्र एजेंसी ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड देती है। हॉलमार्किंग में किसी प्रोडक्ट को तय मापदंडों पर प्रमाणित किया जाता है। बीआईएस वह संस्था है, जो ग्राहकों को उपलब्ध कराए जा रहे सोने की जांच करती है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।